दैनिक
करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। शनिवार 19 जुलाई-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 210 पेज-09 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी का निधन...
राजनीति के एक युग का अंत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। राजपाल त्यागी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार की सुबह उनका निधन हो गया। राजपाल त्यागी के निधन के साथ ही राजनीति के एक युग का भी अंत हुआ। राजपाल त्यागी ना केवल गाजियाबाद बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे।

वो तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे। राजपाल त्यागी के निधन की खबर फैलते ही हजारों की संख्या में उनके समर्थक उनके लोहियानगर स्थित आवास पर पहुंच गए। राजनीति के पुरोधा को अंतिम विदाई देने के लिये मानो जनसैलाब उमड़ पड़ा। राजपाल त्यागी गाजियाबाद की राजनीति के इतिहास के पन्नों में एक सशक्त, मजबूत नाम हैं।

गाजियाबाद की राजनीति का चैप्टर उनसे शुरू होता है और उत्तर प्रदेश में त्यागी राजनीति का वो सबसे बड़ा नाम रहे हैं। उनका नाम हमेशा राजनीति में प्रमुखता से और आदर से लिया जाएगा। वो एक ऐसी सियासी हस्ती रहे जिन्होंने निर्दलीय चुनाव जीतकर दल वाली पार्टी के सामने अपने जनाधार के बल को दिखाया। उन्होंने साबित किया कि जनसेवा के आगे जनता किसी दल को नहीं मानती। शुक्रवार की सुबह जैसे ही उनके निधन की खबर पहुंची तो समर्थकों का, समाज के गणमान्य लोगों का और सभी दलों के राजनेताओं का उनके लोहियानगर स्थित आवास पर पहुंचना शुरू हो गया। राजपाल त्यागी के निधन के बाद राजनीति के एक युग का अंत हुआ। उनको राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई और हिंडन मौक्ष स्थल पर उनका दाह संस्कार किया गया।

पुत्र अजीतपाल त्यागी लंदन से लौट रहे थे तब मिली उन्हें खबर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक इत्तेफाक पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन के साथ ये रहा कि उनके बेटे विधायक अजीतपाल त्यागी को उनके निधन की सूचना तब मिली जब वो लंदन से भारत लौट रहे थे। मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी का बेटा लंदन में पढ़ता है। उनके पुत्र ने स्नातक की परीक्षा पास की है और अजीतपाल त्यागी अपने बेटे के पास लंदन गये हुए थे। किसी को खबर नहीं थी कि ऐसा हो जाएगा, लेकिन ये एक संयोग रहा कि विधायक अजीतपाल त्यागी की वापसी की फ्लाइट 18 जुलाई की थी। जिस दिन सुबह राजपाल त्यागी ने अंतिम सांस ली, उधर उनके बेटे विधायक अजीतपाल त्यागी भारत के लिये फ्लाइट पकड़ चुके थे। उनको आना ही था और अजीतपाल त्यागी लगभग दो बजे अपने आवास पर आए। एक ऐसा संयोग रहा जब पिता के निधन पर पुत्र हजारों किमी. की दूरी तय कर आ गया।

ऐसा लगा जैसे बारिश की बूंदों से प्रकृति ने दी हो अंतिम विदाई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन का समाचार मिलते ही उनके आवास पर हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। समर्थक गमगीन थे। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई देने के लिये गार्ड ऑफ ऑनर देने सशस्त्र बल पहुंचे। जैसे ही राजपाल त्यागी की शव यात्रा शुरू हुई अचानक से मूशलाधार वर्षा शुरू हो गई। ऐसा लग रहा था जैसे वर्ष भी अपनी बूंदों के साथ अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दे रही है। इधर बारिश हो रही थी और उधर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी की शव यात्रा शुरू हुई। घर से लेकर श्मशान घाट तक वर्षा होती रही। कांवड़ यात्रा की वजह से एक तरफ का मार्ग खुला था, लेकिन इसके बावजूद घर पर हजारों की संख्या और श्मशान घाट में पांव रखने की जगह नहीं थी। ये थी पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे राजपाल त्यागी की लोगों से आत्मीयता।

हमेशा राजनीति के नायक रहेंगे राजपाल त्यागी: मनोज गुप्ता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी अपने आप में राजनीति का एक युग थे। वो वास्तव में एक ऐसे जननेता थे जो दलीय राजनीति की परिधी से बाहर रहे। उन्होंने राजनीति में एक बड़ी मिसाल ये कायम की कि राजनीति टिकट से नहीं बल्कि जनता के निकट रहकर की जाती है। अगर जनता के निकट रहोगे तो फिर टिकट कहां से है, ये फर्क नहीं पड़ता। राजपाल त्यागी जैसे नेता सदियों में पैदा होते हैं। उन्होंने गाजियाबाद की राजनीति को देहात से लेकर शहर तक बहुत कुछ दिया। वो एक ऐसे नेता के रूप में हमेशा याद किये जाएंगे जिनके जिनके लिये जनता पहले और दल बाद में रहा। राजपाल त्यागी वास्तव में एक ऐसे नेता के रूप में हमेशा याद रहेंगे, जिन्होंने अपनी सियासी जमीन खुद तैयार की और उन्होंने विधानसभा जैसा चुनाव तीन बार निर्दलीय जीतकर ये साबित किया कि अगर जनता का कोई सेवक है तो फिर जनता अपने सेवक को हमेशा बादशाह बनाती है। वो अपने सेवक को हारने नहीं देती। राजपाल त्यागी हमेशा एक ऐसी सख्शियत के रूप में याद किये जाएंगे जो हमेशा अपने सिद्धांतों के साथ रहे और उनके दरवाजे हमेशा अपने क्षेत्र के लोगों के लिये खुले रहे। स्पष्टवादिता उनके व्यक्तित्व का हिस्सा थी।

राजनीति में अलग पहचान रखने वाले राज्यपाल त्यागी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि : रामनरेश रावत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जब यह समाचार मिला कि राजपाल त्यागी अब इस दुनिया में नहीं रहे। सुनकर मैं एकदम स्तब्ध-सा रह गया, उनका मुझसे बहुत ही गहरा प्रेम था। हमेशा उनका स्नेह परिवार पर रहा है। राजनीति में भी अपनी अलग पहचान रखने वाले राज्यपाल त्यागी जो कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पश्चिम उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता राजपाल त्यागी के निधन पर मुझे जो पीड़ा हुई है उसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता।

राजपाल त्यागी के निधन से पश्चिम उत्तर प्रदेश और खासकर गाजियाबाद की राजनीति का एक अध्याय पर विराम लग गया। 6 बार के विधायक राजपाल त्यागी की शख्सियत ऐसी थी कि वे किसी एक दल से बंधे हुए नहीं थे। कांग्रेस से राजनीति की शुरुआत करने वाले राजपाल त्यागी ने गाजियाबाद की राजनीति को एक नई दिशा दी। उन्हें किसी दल की जरूरत नहीं थी, सभी दलों को उनकी जरूरत थी।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वे एक ऐसे शख्स थे, जिन्होंने सभी दलों के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता। राजपाल त्यागी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बसपा और भाजपा के टिकट पर मुरादनगर सीट से विधायक चुने गए। कहा जाता है कि मुरादनगर सीट पर यह मायने नहीं रखता था कि कौन सी पार्टी चुनाव लड़ रही है, बल्कि यह देखा जाता था कि राजपाल त्यागी कौन सी पार्टी से चुनाव लड रहे थे। वे जिस पार्टी से भी चुनाव लड रहे होते थे, जीत उस पार्टी की होती थी। इस दुख की घड़ी में में परिवार के साथ हूं और मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति भी प्रदान करें।

पिता की सियासी विरासत को संभाला है बेटे अजीतपाल त्यागी ने

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजपाल त्यागी केवल एक नाम नहीं है बल्कि वो अपने आप में एक राजनीतिक युग रहे हैं। उन्होंने एक बड़ी विरासत राजनीति की छोड़ी है। उनके पुत्र अजीतपाल त्यागी ने पिता की इस सियासी विरासत को बखूबी संभाला है। अजीतपाल त्यागी जिलापंचायत अध्यक्ष रहे हैं वो मुरादनगर सीट से लगातार दूसरी बार विधायक हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि जनसेवा के गुण अजीतपाल त्यागी में अपने पिता से विरासत में प्राप्त किये हैं और वो भी मुरादनगर की राजनीति के बड़े खिलाड़ी माने जाते हैं। बड़ी बात ये है कि वो भी हमेशा जनता के बीच रहते हैं। जनता के लिये हमेशा मौजूद रहते हैं और क्षेत्र के हर सुख-दुख में वो शामिल होते हैं। यही गुण अजीतपाल त्यागी को अपने पिता से विरासत में मिला। उन्होंने अपने पिता की विरासत को बखूबी संभाला है। विधायक अजीतपाल त्यागी के साथ-साथ स्व. पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के पुत्र गिरीशपाल त्यागी भी देहात की राजनीति में सक्रिय रहते हैं। वो भी क्षेत्र की जनता के संपर्क में रहते हैं। हमेशा जनता के लिये उपलब्ध रहते हैं और उन्होंने भी समाजसेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है।

बार अध्यक्ष से लेकर कैबिनेट मंत्री बनने का सफर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश सरकार में तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे राजपाल त्यागी की कहानी पागपत के छोटे से गांव मुकारी से शुरू होती है। इनके पिता परशुराम किसान थे। पांच भाइयों में से एक राजपाल त्यागी ने अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरूआत की। वो गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बनें। बार अध्यक्ष रहते हुए वो राजनीति में आ गए और कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक सफर शुरू किया। वो आठ साल तक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे। 1989 में राजपाल त्यागी ने मुरादनगर से निर्दलीय चुनाव लड़ा और वो पहली बार निर्दलीय विधायक बनें। इसके बाद राजपाल त्यागी ने मुरादनगर सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और भारी वोटों से चुनाव जीते। वो 1991 से लेकर 1996 तक कांग्रेस के विधायक रहे। फिर 1996 के चुनाव से पहले वो समाजवादी पार्टी में चले गए। सपा के टिकट पर वो मुरानगर से विधायक चुने गए और पहली बार उन्होंने मुलायम सिंह यादव के मंत्रीमंडल में राज्यमंत्री पद की शपथ ली। 2002 में वो कांग्रेस के टिकट पर फिर से चुनाव जीते। 2007 में वो निर्दलीय चुनाव लड़े और जीत हासिल की। 2008 में उन्हें बसपा ने चुनाव लड़ने का ऑफर दिया और राजपाल त्यागी ने इसे स्वीकार करते हुए बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। वो मायावती सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे।

राजनीतिक विरासत के साथ परिवार और भाइयों का रहा प्यार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजपाल त्यागी एक ऐसा नाम है जिनके बारे में ये कहा जाता था कि उनसे विरोधी दबते थे और अफसर काम करते थे। उनकी पहचान प्रभावशाली और जनप्रिय नेता के रूप में थी। आम लोगों के लिये वो बेहद नर्म थे। उनकी जिंदगी एक सियासी महाभारत थी, जिसमें सबकुछ साथ चलता रहा। वो उन नेताओं में शुमार होते हैं जो सत्ता में रहे या बाहर लेकिन आवाज में दम रहा। उनके सबसे बड़े भाई रामपाल गांव में ही रहे। उनके भाई कुशलपाल त्यागी एक प्रभावशाली वकील थे। उनके एक भाई टीपीएस त्यागी कई प्राधिकरण में इंजीनियर रहे लेकिन कानपुर में उनकी हत्या हो गई। दूसरे भाई यशपाल त्यागी नोएडा अथॉरिटी में ओएसडी रहे हैं। इस बैकग्राउंड में राजपाल त्यागी ने अपनी राजनीति की पूरी परीक्षा पास की है।

राजपाल त्यागी को किसी दल की जरूरत नहीं थी, सभी दलों को उनकी जरूरत थी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 6 बार के विधायक राजपाल त्यागी की शख्सियत ऐसी थी कि वे किसी एक दल से बंधे हुए नहीं थे। कांग्रेस से राजनीति की शुरूआत करने वाले राजपाल त्यागी ने गाजियाबाद की राजनीति को एक नई दिशा दी।

उन्हें किसी दल की जरुरत नहीं थी, सभी दलों को उनकी जरुरत थी। संभवतया, उत्तर प्रदेश की राजनीति में वे एक ऐसे शख्स थे, जिन्होंने सभी दलों के टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीता। राजपाल त्यागी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बसपा और निर्दलीय के टिकट पर मुरादनगर सीट से विधायक चुने गए। कहा जाता है कि मुरादनगर सीट पर यह मायने नहीं रखता था कि कौन सी पार्टी चुनाव लड रही है, बल्कि यह देखा जाता था कि राजपाल त्यागी कौन सी पार्टी से चुनाव लड रहे थे। वे जिस पार्टी से भी चुनाव लड रहे होते थे, जीत उस पार्टी की होती थी।

गाजियाबाद की राजनीति में यह कहा जाता है कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में उनके अपने करीब 50 हजार से ज्यादा का वोट बैंक था। यह वोट बैंक सिर्फ राजपाल त्यागी को जानता है। इस वोट बैंक को इस बात से कोई मतलब नहीं कि राजपाल त्यागी किस दल में है। वे किसी भी दल में होते थे, जनता उन्हें चुनती थी।।

मेरठ रोड तिराहे पर इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम का हुआ शुभारंभ

जिलाधिकारी दीपक मीणा, डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और एडीएम सिटी विकास कश्यप ने किया उद्घाटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने और तमाम व्यवस्थाओं को संभालने के लिए मेरठ रोड स्थित सिविल डिफेंस के सहयोग से संचालित होने वाले इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम और मुख्य कांवड़ कंट्रोल रूम का शुभारंभ शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा, डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, एडीएम सिटी विकास कश्यप, एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा और उपयुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान सभी आए अतिथियों का सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया और अतिथियों के पधारने को लेकर धन्यवाद भी दिया। इस दौरान सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने बताया कि 5 दिनों तक सिविल डिफेंस के लगभग 700 से अधिक स्वयंसेवक अलग-अलग तीन प्रमुख स्थानों पर यातायात संचालन से लेकर कांवड़मार्ग संचालित करने की व्यवस्था को संभालेंगे। तो वहीं चिकित्सा, सुरक्षा और खान-पान की व्यवस्था में भी सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने जिलाधिकारी दीपक मीणा और डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल को जानकारी दी कि प्रत्येक वर्ष इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के जरिए पूरी कांवड़ यात्रा पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाती है। इस कांवड़ कंट्रोल रूम का मकसद अधिकारियों को बेहतर जानकारी, सुविधा और आने वाली समस्याओं से अवगत कराना रहता है।

एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा और उपयुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान भी रहे मौजूद

जिलाधिकारी बोले बिना सिविल डिफेंस सहयोग के बड़े आयोजन असंभव

करंट क्राइम : जिलाधिकारी दीपक मीणा ने उद्घाटन अवसर पर कहा है कि सिविल डिफेंस जैसी समितियों के सहयोग के बिना कांवड़ यात्रा जैसा बड़ा आयोजन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम स्थापित किया जाता है। तो वही मोहन नगर तिराहे और राजनगर एक्सटेंशन पर भी निस्वार्थ सेवा की जाती है, जो प्रशासन के लिए काफी सहयोगपूर्ण रहता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, पत्रकारों और सिविल डिफेंस के सदस्यों को इसके लिए बधाई भी दी।

कांवड़ कंट्रोल रूम करेगा 24 घंटे काम

करंट क्राइम : इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम मेरठ रोड स्थित मुख्य कांवड़ कमांड का उद्घाटन करते हुए जिलाधिकारी, डीसीपी सिटी जोन, नगर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी नगर, एसीपी नंदग्राम और उपयुक्त उद्योग के साथ ही कांवड़ कंट्रोल रूम की प्रभारी एसीपी ने निरीक्षण किया। इस मौके पर सिविल डिफेंस के अनिल अग्रवाल, एके ठाकुर, सुजीत प्रसाद, दीपक अग्रवाल, हर्ष वर्मा, राजेंद्र शर्मा, दिव्यांशु, रवि अग्रवाल और संजय गोयल सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों पर हमला, ईंट-पत्थर, लाठी-डंडे व तलवार से हमले का आरोप

नमाज के दौरान डीजे को लेकर हुआ था विवाद

प्रयागराज। घटना की जानकारी पर पुलिस पहुंची और किसी तरह मामला शांत कराया। घटना के बाद आक्रोशित कांवड़िये नारेबाजी करते हुए थाने पहुंचे और वहां घंटों हिंदू संगठनों संग विरोध प्रदर्शन किया। यूपी के प्रयागराज स्थित मऊआइमा के ग्राम सराय ख्वाजा में शुक्रवार दोपहर डीजे संग जुलूस निकाल रहे कांवड़ियों का दूसरे समुदाय के लोगों से विवाद हो गया। कांवड़ियों का आरोप है कि उन पर ईंट-पत्थर व तलवार से हमला किया गया। बीच बचाव के लिए पहुंचीं महिलाओं से अभद्रता की गई। पुलिस ने दूसरे समुदाय के तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। साथ ही 15 नामजद समेत 65 पर केस दर्ज किया है।

डीजे जुलूस निकालकर जल भरने जा रहे थे महेंद्र कुमार सरोज ने बताया कि उनके ही गांव के रामकृष्ण सरोज, पुरषोत्तम सिंह, राजेंद्र जायसवाल, अंकित सरोज, शशांक कश्यप, मनीष कश्यप, शुभम प्रजापति, हरिकेश, धीरज आदि कांवड़िये शुक्रवार दोपहर डीजे साउंड संग जुलूस निकालकर जल भरने जा रहे थे।

ईंट-पत्थर, लाठी-डंडे और तलवार से हमला

आरोप है कि धर्मस्थल के पास पहुंचते ही वहां मौजूद दूसरे समुदाय के लोगों ने ईंट-पत्थर चलाते हुए लाठी-डंडे, तलवार आदि से हमला कर दिया और जातिसूचक गालियां दीं। पिटाई से कई कांवड़ियों को चोटें आईं। बीच बचाव में आईं महिलाओं के साथ अभद्रता की गई। झंडे को भी फाड़ दिया गया।

कांवड़िये पहुंचे थाने

घटना की जानकारी पर पुलिस पहुंची और किसी तरह मामला शांत कराया। घटना के बाद आक्रोशित कांवड़िये नारेबाजी करते हुए थाने पहुंचे और वहां घंटों हिंदू संगठनों संग विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर एसीपी फूलपुर पंकज लवनिया भी पहुंच गए।

इन पर मुकदमा दर्ज

इसके बाद महेंद्र की तहरीर पर मोहम्मद तौसीफ, मोहम्मद दानिश, मोहम्मद तस्लीम, मोहम्मद राजू, मोहम्मद सद्दू, मोहम्मद अबरार, मोहम्मद शहजाद, तुफैल अहमद, मोहम्मद कल्लू, सुहैल अहमद, जीवन, मंजू साईं, मोहम्मद सलमान, डॉक्टर शमशाद (कनकटा) व 50 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आवाज कम कराने को लेकर हुई नोकझोंक

मुस्लिम पक्ष का आरोप है कि जुमे की नमाज के समय डीजे का साउंड कम करने को कहने पर कांवड़िये उग्र हो गए। इसी बात पर बहस हुई।

पुलिस का बयान मौके पर दोनों पक्षों में नोकझोंक हुई थी। मारपीट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

डीसीपी ग्रामीण ने पुलिस बल के साथ किया गंग नहर कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

जल पुलिस के साथ डीसीपी और एसीपी रहे बोट पर तैनात, कांवड़िये को किया अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गंगाजल लाने और लेकर आने वाले शिव भक्तों की भीड़ अब तेजी से बढ़ रही है। शुक्रवार से मुरादनगर गंग नहर पर लौटने वाले कांवड़ियों की संख्या में इजाफा हो गया है। तो वहीं गंग नहर में स्नान भी कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कांवड़ियों के सुरक्षा इंतजाम का जायजा लेने के लिए ग्रामीण जोन के डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी मोदी नगर ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी मसूरी लिपि लगायच, थाना प्रभारी प्रभारी मोदीनगर नरेश शर्मा और थानाध्यक्ष मुरादनगर अंकित चौहान के साथ अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग व गंग नहर का निरीक्षण किया।

तो वही जल पुलिस के साथ गंग नहर में उतरकर सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश और कांवड़ियों को गहरे पानी में न जाने की सलाह दी गई है।

एसीपी मोदी नगर व प्रभारी भी रहे बॉर्डर पर मुस्तैद

कादराबाद बॉर्डर से लेकर मुरादनगर तक डीसीपी ग्रामीण ने किया भ्रमण

करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा के आयोजन को लेकर पुलिस- प्रशासन और अधिकारी पूरी तरीके से अब फील्ड पर उतर चुके हैं। डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी लिपि नगायच, एसीपी मोदी नगर ज्ञान प्रकाश राय के साथ मेरठ सीमा पर स्थित कादराबाद से लेकर राज चौपला, मोदीनगर कंट्रोल रूम, मुरादनगर कंट्रोल रूम, छोटा हरिद्वार गंग नहर और मुरादनगर मार्ग पर भ्रमण के लिए निकले। इस दौरान मार्ग का हाल जाना, तो पुलिस कर्मियों को ड्यूटी पर मुस्तैद रहने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बोट पर तैनात होकर अधिकारियों ने किया गंग नहर का निरीक्षण

करंट क्राइम : शुक्रवार को गंग नहर में पानी का जलस्तर बढ़ जाने के बाद डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी लिपि नगायच और थानाध्यक्ष मुरादनगर अंकित चौहान जल पुलिस की पानी वाली बोट पर सवार होकर गंग नगर में निरीक्षण करने के लिए निकले। इस दौरान जल पुलिस के सिपाहियों द्वारा गंग नहर के घाट पर स्नान कर रहे शिव भक्तों और कांवड़ियों को कहा गया है कि जलस्तर बढ़ गया है, वह गहराई में न जाए। साथ ही किसी प्रकार के हादसा एवं दुर्घटना होने पर तत्काल मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और कंट्रोल रूम को सूचना दें। इसके साथ ही यहां निजी और सरकारी गोताखोरों को भी तैनात कर दिया गया है।

एएलटी चौराहे से गंग नहर तक कांवड़ मार्ग का पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने किया निरीक्षण

कांवड़ शिविरों में भी पहुंचे पुलिस कमिश्नर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस के सभी स्तर के अधिकारी सड़क से लेकर कांवड़ शिविरों तक निरीक्षण कर रहे हैं। गुरुवार की देर रात पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने मधुबन बापू धाम थानाक्षेत्र अंतर्गत आने वाले एएलटी चौराहे से लेकर गंग नहर तक कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान लाइटिंग की व्यवस्था बढ़ाने केनिर्देश दिए गए हैं। तो पुलिस लाइन मार्ग पर भी अतिरिक्त रोशनी की गई है। वहीं मुरादनगर गंग नहर के आसपास रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी प्वांइट चेक किए गए। तो कांवड़ मार्ग पर बने अवैध कट जो पुलिस और नगर निगम द्वारा बंद कराए गए हैं, उनका भी निरीक्षण पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड द्वारा किया गया है।

कांवड़ शिविरों पर पहुंचे कमिश्नर और कांवड़ियों से की बातचीत

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड एएलटी चौराहे से गंग नहर तक बने शिवरों में भी गए। इस दौरान शिव भक्तों से पूछा कि पीछे कितनी भीड़ है और कब तक कांवड़ियों की बड़ी संख्या गाजियाबाद में प्रवेश कर जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यातायात पुलिस के अधिकारियों और एसीपी स्तर के अधिकारियों को ड्यूटी पर लेकर किसी प्रकार की लापरवाही ना करने का निर्देश भी जारी किया गया है।

वसुंधरा में बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण का किया आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा में बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था।

लोगों को आपातकालीन स्थितियों में, विशेष रूप से हृदय गति रुकने, सांस लेने में कठिनाई और वायुमार्ग में रुकावट जैसी स्थितियों में, तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कौशल सिखाया गया। इस दौरान डॉ. पीके जैन ने कहा कार्यशाला में लगभग 30 से 35 स्टाफ ने भाग लिया। मेदांता से आए हुए डॉक्टरों ने सीपीआर अन्य लाइफ सेविंग मैथर्ड की ट्रेनिंग दी। मेदांता ग्रुप ने आगे भी इनफेक्शन कंट्रोल ट्रेनिंग व अन्य ट्रेनिंग देने का वादा किया।

अपर जिलाधिकारी नगर विकास ने किया मोहन नगर चौराहे पर सिविल डिफेंस कैंप कार्यालय का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम) कांवड़ मेला श्रावण शिवरात्रि सिविल डिफेंस हिंडन गाजियाबाद के मोहन नगर चौराहे का कैंप कार्यालय का मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप द्वारा रिबन काटकर किया गया। अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप ने सिविल डिफेंस टीम की सराहना करते हुए कहा कि सिविल डिफेंस के वार्डन तन-मन से कांवड़ मेला श्रावण शिवरात्रि के उपलक्ष्य में सड़कों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने में विशेष भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम मुख्य रूप से चीफ वार्डन ललित जायसवाल, डिप्टी कंट्रोलर, रविन्द्र प्रताप के नेतृत्व में एडीसी गुलाम नबी, डिविजनल वार्डन कैंप प्रभारी एके जैन, एके ठाकुर की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम मे पूर्व डिप्टी चीफ वार्डन अनिल अग्रवाल, स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन राजेंद्र शर्मा , डिविजनल वार्डन रिजर्व हर्ष वर्मा, डिप्टी डिविजनल वार्डन अशोक कुमार, मंजूर हसन, संजय गोयल, स्टाफ ऑफिसर वीरेंद्र सिंह, वीरपाल डबास, सुनील गोयल, आईसीओ नितिश सिंह, जुगेंद्र सिंह, विनोद शर्मा, अनिल तिवारी, उमेश गुप्ता, पोस्ट वार्डन विनय सिंह आदि फायर फाइटर उपस्थित रहे। इस कैंप में विशेष रूप से फर्स्ट एड, रेस्क्यू एवं फायर की टीम एवं इक्यूपमेंट की व्यवस्था की गई है।

साथ ही महिलाओं की विशेष टीम भी महिला कांवड़ियों की सेवा के लिए लगाई गई है।

राहुल गांधी से जुड़े मामले की 25 अगस्त को सुनवाई, बार एसोसिएशन चुनाव के कारण मिली अगली तारीख

संभल। संभल की चंदौसी कोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मामले की सुनवाई 25 अगस्त तक स्थगित कर दी गई है। बार एसोसिएशन चुनाव के नामांकन के कारण कार्य प्रभावित होने से सुनवाई टल गई। हिंदू शक्ति दल अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने एक बयान के मामले में यह याचिका दायर की है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ संभल जिले की चंदौसी कोर्ट में चल रहे एक मामले की सुनवाई अब 25 अगस्त को होगी। अदालत में वकीलों के बार एसोसिएशन चुनाव के नामांकन के चलते शुक्रवार को कामकाज प्रभावित रहा। इस कारण सेशन कोर्ट ने मामले की सुनवाई की अगली तारीख तय की। राहुल गांधी के अधिवक्ता सगीर सैफी ने बताया कि शुक्रवार को चंदौसी में स्थित अदालत में बार चुनाव के नामांकन के कारण न्यायिक कार्य बाधित रहा। इसके चलते एडीजे-2 आरती फौजदार ने सुनवाई की अगली तिथि 25 अगस्त निर्धारित की है। यह मामला हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता द्वारा दायर किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी को एक बयान में कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत राज्य से है। याचिकाकर्ता सिमरन गुप्ता ने इस बयान को देश के नागरिकों और लोकतंत्र का अपमान बताते हुए कहा कि यह टिप्पणी करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत करती है।

पहल पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य के लिए प्राधिकरण सचिव ने लिपिक को दिया प्रशस्ति पत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के द्वारा प्राधिकरण से जुड़े आवंटियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए आरंभ किए गए पहल पोर्टल को अधिक बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे है,ताकि प्राधिकरण के आवंटी अधिक से अधिक संख्या में घर बैठे प्राधिकरण से संबंधित योजनाओं का लाभ उठा सकें। पहल पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य के लिए उपाध्यक्ष के निर्देश पर आज कॉमर्शियल सेक्शन के लिपिक राधे श्याम को प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह के द्वारा प्रशस्ति पत्र देते हुए सम्मानित किया गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कदम से साथी लिपिक भी निश्चित तौर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित होंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने हाल ही में समीक्षा बैठक की थी, इस दौरान बिल्डिंग सेक्शन को दिए गए लक्ष्य को करीब से जानने का प्रयास किया गया एवं धीमी गतिविधियों को लेकर नाराजगी जतायी थीं। कुछ लिपिकों के पटल परिवर्तन एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देने के निर्देश दिए थे।

विकास की ओर...

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 86 में राजेंद्र नगर सेक्टर 5 में सीवर लाइन डाली जा रही है। यहां पर सीवर नहीं होने के करण डीएवी रोड पर आए दिन सड़क पर पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो रही थी। पार्षद मदन राय ने इस काम के लिए जल विभाग, महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 19 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने मारा पंच और सांसद अतुल गर्ग बन गए सरपंच

मिनट्स को लेकर मिलाए सांसद, विधायकों ने हाथ, धरने पर बैठे पार्षदों से करेंगे मुलाकात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भगवा गढ़ में इन दिनों सीन भगवा संग्राम का चल रहा है। हाउस टैक्स के बिल, हाउस टैक्स की छूट और इन सबके बीच पार्षदों ने उस बोर्ड बैठक के मिनट्स मांग लिये जो 30 जून को हुई थी। अधिकारियों ने मामले को टाला और पार्षदों ने फिर नगर निगम में धरना दे डाला। पार्षद अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। पार्षद मिनट्स की लड़ाई लड़ रहे हैं और इस लड़ाई को पूर्व सीनियर पार्षद राजेंद्र त्यागी बल देते दिखाई दिये। नजारा एक कमरे का है, उस कमरे में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग हैं, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा हैं, उस कमरे में विधायक संजीव शर्मा हैं, उस कमरे में पूर्व विधायक सुरेंद्र मुन्नी हैं, उस कमरे में पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही हैं, उस कमरे में भाजपा नेता अनिल अग्रवाल सांवरिया हैं और कमरा इस बात का गवाह है कि वहां मिनट्स को लेकर पक्ष-विपक्ष का फैक्टर है और पूर्व सीनियर पार्षद राजेंद्र त्यागी अपना प्रजेंटशन दे रहे हैं। आखिर पार्षदों को मिनट्स क्यों नहीं मिल रहे हैं। इस पूरे किस्से में कुछ ऐसा हुआ कि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग सरपंच बन गए। कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की इस चाहत को पूरा कर दिया।

दरअसल राजेंद्र त्यागी ये बता रहे थे कि निगम वाले मिनट्स क्यों नहीं दे रहे हैं। वो ये विश्वास दिला रहे थे कि मिनट्स की फाइल तैयार है और उस पर जान बूझकर साइन नहीं किये जा रहे हैं। हस्ताक्षर इसलिये नहीं हो रहे कि कहीं इस मामले को कोर्ट में ले जाने वाले पूर्व पार्षद उसके कोर्ट ना जमा कर दें। दरअसल भाजपा के पूर्व सीनियर पार्षद राजेंद्र त्यागी ने सांसद और विधायकों को यह फील कराया कि निगम की उस बैठक में आपके प्रोटोकॉल की भी अनदेखी की गई। कैबिनेट मंत्री का प्रोटोकॉल बड़ा होता है, लेकिन उनकी कुर्सी पीछे डाली गई। राजेंद्र त्यागी ने इस बात को बताते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को ये एहसास कराया कि मेयर से बड़ा प्रोटोकॉल और मेयर से बड़ा दर्जा कैबिनेट मंत्री का होता है। जब वो ये बात बता रहे थे तो शहर विधायक संजीव शर्मा के चेहरे पर एक स्माइल थी और उन्होंने कहा कि मैं तो इन सबके पीछे हूं और मैं पहली बार निगम की बोर्ड बैठक में गया।

पूर्व सीनियर पार्षद राजेंद्र त्यागी ने जनप्रतिनिधियों को याद दिलाते हुए कहा कि जिस बोर्ड बैठक में सांसद और विधायक जैसे जनप्रतिनिधि गए हैं उस बोर्ड बैठक के मिनट्स अधिकारी क्यों नहीं दे रहे। यहां पर उन्होंने नपे तुले शब्दों में मेयर को टारगेट पर लेते हुए कहा कि सांसद, विधायकों की मौजूदगी में बैठक हुई और जिस प्रस्ताव को सांसद और विधायक बैठक में निरस्त कराकर आए हैं उस बैठक में प्रस्ताव को लेकर डाउट वाला सीन क्यों हो रहा है। पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी की बात पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने सहमति जताई और कहा कि मुझे भी मिनट्स को लेकर अधिकारियों का ये रवैया ठीक नहीं लगा।

आखिर बोर्ड बैठक के मिनट्स देने में क्या परेशानी है। चर्चा आगे बढ़ी तो बात आई कि इस विषय पर कौन बात करेगा और क्या किया जाना चाहिए। यहां पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने शब्दों का पंच लिया और उन्होंने कहा कि अतुल गर्ग लोकसभा सांसद हैं, हम सब उनके पीछे हैं। अब सुनील शर्मा डाल-डाल हैं तो अतुल गर्ग भी पात-पात हैं।

उन्होंने अपने पाले में आती गेंद को भांप लिया और ये भी ताड़ लिया कि बंदूक उनके शोल्डर पर रखी जा रही है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मैं तो महज सांसद हूं और सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री हैं और सुनील शर्मा का दर्जा ज्यादा बड़ा है और हम आपके पीछे हैं।

लेकिन यहां सुनील शर्मा ने कहा कि आप सांसद और आप सबका नेतृत्व करते हैं, आप सरपंच हैं। कैबिनेट मंत्री के इस पंच पर सांसद अतुल गर्ग ने लगभग आठ से दस सैकिंड तक विचार किया और फिर उन्होंने कुछ सोचा और कैबिनेट मंत्री द्वारा दिये गये सरपंची वाले ऑफर को स्वीकार कर लिया।

सांसद अतुल गर्ग के सरपंच बनते ही योजना बनने लगी कि अब हमें पार्षदों के पास जाना है और उनकी मिनट्स वाली मांग को समर्थन देना है। ये कहकर सांसद अतुल गर्ग ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और विधायक संजीव शर्मा की तरफ देखा। दोनों ने कहा कि जैसे हमारे सरपंच कह रहे हैं वैसा ही होगा। इसके बाद ये तय हुआ कि अतुल गर्ग की सरपंची में पार्षदों से मिलकर उन्हें समर्थन दिया जाएगा। इस तरह से सांसद अतुल गर्ग सरपंच बन गए।

दरअसल राजेंद्र त्यागी ये बता रहे थे कि निगम वाले मिनट्स क्यों नहीं दे रहे हैं। वो ये विश्वास दिला रहे थे कि मिनट्स की फाइल तैयार है और उस पर जान बूझकर साइन नहीं किये जा रहे हैं। हस्ताक्षर इसलिये नहीं हो रहे कि कहीं इस मामले को कोर्ट में ले जाने वाले पूर्व पार्षद उसके कोर्ट ना जमा कर दें।

जब करंट क्राइम ने किया सवाल, मिनट्स आप भी तो मांग सकते हैं

करंट क्राइम। नगर निगम की बैठक है, बैठक के मिनट्स है और मिनट्स का मुद्दा सांसद और विधायक उठा रहे हैं। वो मिनट्स को लेकर धरने पर बैठे पार्षदों के पास जाने की बात कह रहे हैं। यहां पर मौजूद दैनिक करंट क्राइम के समाचार संपादक दीपक भाटी ने सवाल किया कि पार्षद ही क्यों, आप भी सांसद हैं विधायक हैं और आप लोग भी बैठक में पदेन सदस्य के रूप में मौजूद थे तो आप लोग भी निगम अधिकारियों से मिनट्स क्यों नहीं मांग लेते। इस सवाल पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा मुस्कराए और उन्होंने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की तरफ देखा। सांसद अतुल गर्ग मुस्कराहट को समझ गए और उन्होंने ये कहकर विषय को विराम दिया कि इस बारे में हम जल्दी ही निर्णय लेकर आपको बता देंगे।

बोर्ड बैठक के मिनट्स की मांग को लेकर निगम पार्षदों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

पार्षदों ने निगम परिसर में बिछाए बिस्तर, कहा जारी रहेगा विरोध और जनता के लिए जंग

अनिश्चितकालीन धरना

वार्तालाप

- पार्षद बोले जब तक नहीं मिलेंगे बोर्ड बैठक के मिनट्स और टैक्स का नहीं बनेगा सही शेड्यूल तब तक करेंगे विरोध

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम द्वारा बोर्ड बैठक में बढ़े हुए संपत्ति कर के प्रस्ताव को निरस्त किए जाने के बाद भी बोर्ड बैठक के मिनट्स ना मिलने को लेकर नाराज निगम पार्षदों का आक्रोश खत्म नहीं हो रहा है। शुक्रवार को पहले ही घोषणा के तहत बड़ी संख्या में नगर निगम के पार्षद निगम मुख्यालय पहुंचे और यहां नगर निगम के अधिकारियों से 30 जून को हुई हाउस टैक्स वृद्धि प्रस्ताव सर्वसहमति से खारिज किए जाने के फैसले के मिनिट्स मांगे। तो पार्षदों का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों ने मामला कोर्ट में चलने की वजह से देने में असमर्थता जताई। जिसके बाद पार्षद नगर निगम में ही धरने पर बैठ गए। पार्षदों ने नगर निगम के अधिकारियों और हाउस टैक्स की बढ़ोत्तरी के फैसले को लेकर मनमानी कर रहे निगम के अधिकारियों के खिलाफ भी नारेबाजी शुरू कर दी। जैसे ही नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को यह जानकारी लगी तो वह पहुंचे और पार्षदों से बातचीत शुरू की। उन्हें वहां से उठाने के प्रयास किए गए तो खुद पार्षदों के साथ दरी पर बैठकर उन्होंने वार्ता भी की लेकिन यह सफल नहीं हो पाया। जिसके बाद पार्षदों ने नगर निगम में अपना अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। तो रात होते ही पार्षदों ने दरी और बिस्तर बिछा लिए और चेतावनी दी है, जब तक उनकी तीन प्रमुख मांगे नहीं मानी जाती हैं, वह अपना अनिश्चितकालीन आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। इसमें पहली मांग यह है कि नए तरीके से टैक्स का शेड्यूल बनाया जाए। टैक्स बढ़ाए जाने के बिल जनता को भेजना बंद किया जाए और 30 सितंबर तक जनता को टैक्स में मिलने वाली छूट की घोषणा हो। साथ ही नगर निगम के धरनार्त पार्षदों ने नगर निगम के अधिकारियों से अबतक कई बार मुलाकात कर बोर्ड बैठक के मिनट्स की मांग पर अड़े हुए हैं।

बोर्ड बैठक के मिनट्स पर अटक गया है पूरा मामला

करंट क्राइम : शुक्रवार को बड़ी संख्या में नगर निगम के पार्षद गौरव सोलंकी, पूर्व पार्षद मनोज गोयल, हिमांशु शर्मा, पूनम सिंह, नीरज गोयल, पार्षद पति संजय त्यागी, संतोष सिंह राणा, धीरज अग्रवाल, पार्षद पति अभिनव जैन, राजकुमार भाटी, नरेश भाटी, अजित निगम, पार्षद पति डॉ पवन गौतम, शशि खेमका, प्रतिमा शर्मा, मदन राय, प्रमोद राघव, डॉ अनिल तोमर, शिवम शर्मा, कन्हैया, मुन्नी देवी, ओमपाल भाटी, जगत सिंह पहुंचे। इन पार्षदों ने कहा है कि जब तक उन्हें 30 जून को हुई बोर्ड बैठक जिसमें सर्वसहमति और गाजियाबाद के सांसद, कैबिनेट मंत्री और विधायक की मौजूदगी में टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय को समाप्त कर दिया गया था, उसके मिनिट्स उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे वह धरना और आंदोलन खत्म नहीं करेंगे।

पार्षदों को नहीं लगा फेयर, जब सामने से निकल गई मेयर

करंट क्राइम : शुक्रवार को नगर निगम के परिसर में बड़ी संख्या में नगर निगम के अलग-अलग वार्ड के पार्षद मौजूद थे। उनकी मांग थी कि बढ़े हुए हाउस टैक्स के बिल आम जनता को ना भेजे जाएं। नगर निगम की बोर्ड बैठक के मिनिट्स अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए जाए और 30 सितंबर तक टैक्स में छूट की घोषणा की जाए। वह इस मांग को लेकर नगर निगम में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। बताया जा रहा है इसी समय महापौर सुनीता दयाल वहां से निकली और बिना पार्षदों से मिले और उनके पास रुके वह सीधे अपने दफ्तर की ओर चली गई। इसको लेकर पार्षदों में भी हैरानगी देखी गई है।

पार्षदों को कह दिया गया कोर्ट की तारीख तक मिनट नहीं मिल पाएंगे मिनट्स

करंट क्राइम : शुक्रवार को बड़ी संख्या में पार्षद नगर निगम में जमे रहे, तो वह देर रात तक यहां बिस्तर मंगवाने से लेकर सोने की तैयारी में जुटे रहे। सूत्र बता रहे हैं कि इस दौरान पार्षदों की नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से बातचीत हुई। उन्होंने कोर्ट की तारीख का हवाला देते हुए मिनट्स ना मिलने को लेकर असमर्थता जताई है। साथ ही बता दें कि हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय को लेकर पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, अनिल स्वामी, हिमांशु लव व अन्य लोग द्वारा जो याचिका दायर की गई थी। यहां बता दें कि इस मामले में 29 जुलाई को इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है। तब तक इस विषय को लेकर कोई भी अपना रुख क्लियर नहीं कर रहा है।

मिनट्स मांगे पर बढ़ रहा है तकरार

विरोध

करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम की 30 जून को हुई बैठक में हाउस टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव सर्वसम्मति से खारिज कर दिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद, मंत्री, विधायक, सभी पार्षद और महापौर शामिल थे, जिन्होंने मिलकर हाउस टैक्स वृद्धि को निरस्त किया। इसके बाद 4 जुलाई को कुछ पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सदन सचिव और अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव से बैठक की मिनट्स की प्रति मांगी, जिसे 10 दिनों में उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। फिर, 14 जुलाई को एक और प्रतिनिधिमंडल ने मिनट्स की कॉपी मांगी, लेकिन अधिकारियों ने कुछ और समय मांगा। इसके बावजूद, नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स की बढ़ी हुई दरों पर वसूली जारी है, जिसका पार्षदों ने कड़ा विरोध किया। पार्षदों ने कहा कि वे 18 जुलाई को फिर से निगम कार्यालय आकर मिनट्स की कॉपी नहीं मिलने तक वहां से नहीं जाएंगे। इसी संदर्भ में 18 जुलाई को पार्षद कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मिनट्स की कॉपी मांगने और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की गई। सभी पार्षदों ने एकजुट होकर धरना प्रारंभ किया और स्पष्ट किया कि मिनट्स की कॉपी न मिलने तक वे निगम कार्यालय में बने रहेंगे। इसके साथ ही, पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके कोटे के कार्यों को रोक दिया गया है और उनके टेंडर तुरंत जारी किए जाएं। पार्षदों का कहना है कि यह पहली बार हो रहा है कि नगर निगम के अधिकारी बिना किसी कारण के मनमानी कर रहे हैं। यह मामला नगर निगम अधिकारियों की कार्यशैली और पार्षदों के बीच संघर्ष को उजागर करता है, जहाँ पार्षद सार्वजनिक हित में निर्णय लेने के बावजूद अपनी मांगों के लिए जूझ रहे हैं।

राजपाल त्यागी का निधन गाजियाबाद के लिए बड़ी क्षति : सुनील यादव

करंट क्राइम : नगर निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष और भाजपा नेता सुनील यादव का कहना है कि पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक अजीत पाल त्यागी के पिता राजपाल त्यागी का निधन गाजियाबाद के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि राजपाल त्यागी ना सिर्फ राजनैतिक बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी अलग पहचान रखते थे। गाजियाबाद और प्रदेश की राजनीति में अलग पहचान और मुकाम रखते रहे थे। उनका निधन जहां सभी के लिए दुख की घड़ी है। तो वहीं यह कमी पूरी न होने वाली कमी रहेगी, जो तमाम दलों के नेताओं और गाजियाबाद के लोगों को अब ताउम्र रहेगी।

समाज का गौरव थे राजपाल त्यागी : केडी त्यागी

करंट क्राइम : भाजपा नेता केडी त्यागी का कहना है कि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी का निधन सबके लिए एक दुखद पल है। उन्होंने कहा कि राजपाल त्यागी समाज का गौरव थे, वह त्यागी समाज के लिए कभी यह नहीं देखे थे कि वह किस दल में है या उसपर क्या पद है। वह समाज के लोगों के हित और उनको आगे बढ़ाने के लिए गाजियाबाद से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक मदद करते थे ताकि त्यागी समाज का नाम गाजियाबाद ही नहीं बल्कि देशभर में रोशन हो। राजपाल त्यागी जी का निधन न सिर्फ मेरे बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक बड़ा नुकसान है। वो त्यागी समाज का गौरव थे। राजपाल त्यागी मेरे राजनीतिक गुरु रहे। मंत्री जी ,वास्तव में जननायक (जनता के नेता)उनके जाने की खबर से पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गम का माहौल है। उनके जाने से जो स्थान रिक्त हुआ है, उसकी पूर्ति होना असंभव है।

भाजपा नेता गोपाल अग्रवाल ने भी दी राजपाल त्यागी को श्रद्धांजलि

करंट क्राइम : भाजपा नेता गोपाल अग्रवाल ने जानकारी दी है कि वह बेंगलुरु गए हुए हैं। बेटियों के यहां जाने का कार्यक्रम उनका पहले से था, उनको जब यह जानकारी मिली कि गाजियाबाद के मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के पिता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी जी का निधन हो गया है, तो उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा है कि राजपाल त्यागी जी का निधन राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही तरह का बड़ा नुकसान है। गोपाल अग्रवाल ने कहा कि जिस तरीके से लोगों को साथ लेकर चलना और सबको सही मार्ग दिखाने का काम राजपाल त्यागी करते थे, अब ऐसा कोई नहीं कर पाएगा।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन से गाजियाबाद की राजनीति में शून्यता पैदा हो गई है : टीटू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन पर राष्ट्रीय लोकदल ने शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रीय लोकदल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि स्वर्गीय राजपाल त्यागी का हमारे बीच से चले जाना राजनीतिक क्षेत्र में बहुत बड़ा नुकसान है।

कई दफा मुरादनगर के विधायक और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रह चुके राजपाल त्यागी के निधन से गाजियाबाद की राजनीति में शून्यता पैदा हो गई है। वे जन जन के नेता थे उन्होंने हमेशा लोगों के सुख-दुख में साथ दिया है। टीटू ने कहा कि राजपाल त्यागी ने जो विरासत छोड़ी है उसे उनके पुत्र और मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी आगे ले जा रहे हैं। मुरादनगर के विकास में पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की अहम भूमिका रही है। इस क्षेत्र को उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से विकसित किया। उनके निधन पर राष्ट्रीय लोकदल त्यागी परिवार के इस दुख की घड़ी में बराबर का साथ है।

राजपाल त्यागी जैसे राजनेता आज की राजनीति में नहीं पाए जाते हैं : मनोज त्यागी

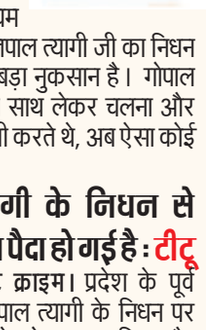

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आम आदमी पार्टी ने प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी के पिताजी राजपाल त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पार्टी के प्रवक्ता मनोज त्यागी ने कहा कि बागपत के मुकारी गांव से चलकर अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर गाजियाबाद में एक अधिवक्ता से बड़े जमीनी राजनेता के रूप में पहचान बनाने वाले और अनेक बार मुरादनगर से विधायक रहे राजपाल त्यागी के निधन से गाजियाबाद की राजनीति को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। उनका निधन गांव देहात के उनके चाहने वाले लाखों लोगों के लिए अपूर्ण क्षति है। मनोज त्यागी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें उनके साथ काम करने का मौका मिला। उनका मीडिया संचालन उन्होंने किया। वह कार्यकर्ताओं से अगाध स्नेह रखते थे। ऐसे राजनेता आज की राजनीति में नहीं पाए जाते हैं।

आज रात से होगा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे वन-वे

गाजियाबाद, करंट क्राइम : दिल्ली-एनसीआर में कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। भारी संख्या में शिव भक्त कांवड़िए गाजियाबाद से होकर गुजर रहे हैं। माना जा रहा है कि शनिवार रात्रि से डाक कांवड़ के आने का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। गाजियाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई रूटों को डायवर्ट किया गया है। तो कई मार्गों को एकतरफा यानी वन- वे किया गया है। ऐसे में सबसे बड़ा बदलाव दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेसवे को लेकर किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 19 जुलाई 2025 की रात 10 बजे से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को वन- वे कर दिया जाएगा। एक ही तरफ दिल्ली की तरफ आने और जाने वाले वाहनों का संचालन होगा। तो वहीं दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की दिल्ली से मेरठ जाने वाली लेन पर सामान्य वाहनों का आवागमन जारी रहेगा। जबकि मेरठ से दिल्ली की ओर आने वाली लेन पूरी तरह से कांवड़ यात्रियों के लिए आरक्षित की गई है।

जाम को लेकर किए गए हैं इंतजाम

करंट क्राइम : एडीसीपी ट्रैफिक सचिदानंन ने बताया है कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसी को लेकर विभिन्न पॉइंट्स पर यातायात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। तो बता दें कि 17 जुलाई 2025 से दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे की एक लेन को कांवड़ियों के लिए बंद करना था. लेकिन अब 19 जुलाई 2025 की रात 10 बजे से एक लेने बंद होगी। मौजूदा समय में कांवड़ियों की संख्या कम है और 19 जुलाई की रात्रि से संख्या बढ़ने की संभावना है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर प्रमुख तौर पर डाक कांवड़िए बड़ी संख्या में आते हैं। गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का करीब 50 किलोमीटर का स्ट्रेच है, जहां हल्के वाहन एक लेने पर संचालित होते रहेंगे। हालांकि, भारी वाहनों के लिए एक्सप्रेसवे पूरी तरह से बंद रहेगा।

कई लेन की गई कांवड़ियों के लिए रिर्जव

करंट क्राइम : बता दें कि मौजूदा समय में भारी संख्या में पैदल कांवड़ यात्री मेरठ रोड होते हुए गाजियाबाद में दाखिल हो रहे हैं। फिलहाल, ट्रैफिक पुलिस द्वारा मेरठ रोड और जीटी रोड को वन-वे किया जा चुका है। मेरठ से दिल्ली की तरफ जाने वाली रोड को पैदल कांवड़ियों के लिए रिजर्व किया गया है। तो मेरठ रोड के सभी यूटर्न बंद किए गए हैं। भारी संख्या में मेरठ रोड पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। तो सीसीटीवी के माध्यम से मेरठ रोड की निगरानी की जा रही है।

संपादकीय

डर बढ़ा रहा है हवाई सफर

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के बाद से विमान सेवाओं की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। अगर उड़ान भरते ही किसी विमान का इंजन फेल हो जाए या फिर बीच रास्ते में तकनीकी खराबी आ जाए, तो इससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया सकता है। हवाई यात्रा में जोखिम इतना गहरा है कि हादसे की सूरत में बचने गुंजाइश नहीं होती। पिछले कुछ महीनों से लगातार घट रही घटनाओं से विमानन कंपनियों की साख तो खतरे में है ही, वहीं यात्रियों का भरोसा भी टूट रहा है और वे यात्रा के जोखिम को लेकर आशंकित हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं की जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय होनी चाहिए। चिंता की बात है कि विमानों के इंजन फेल होने के मामले बढ़ रहे हैं।

अहमदाबाद हादसे से देश उबरा भी नहीं है कि बुधवार की रात विमान यात्री उस समय सहम गए, जब दिल्ली से गोवा जा रहे विमान का एक इंजन रास्ते में खराब हो गया। यह एक आपात स्थिति थी। लिहाजा मार्ग बदल कर उसे मुंबई में सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट के समय रहते संदेश के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। यह चिंता की बात है कि विमानों के इंजन फेल होने के मामले बढ़ रहे हैं।

विमानन कंपनियां डीजीसीए की हिदायत के बाद भी सजग नहीं दिख रही हैं। विडंबना यह है कि सुरक्षा या अन्य स्तर की जांच के संबंध में सख्त निर्देश किसी बड़े हादसे के बाद ही आते हैं।

विमान के इंजन बंद होने या किसी भी तकनीकी खराबी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हाल ही में इंडिगो का ही एक विमान पटना में हवाई पट्टी को छू कर दोबारा उड़ गया था और इस दौरान यात्रियों की सांसें अटकी रहीं। पांच मिनट बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। अधिकतर हादसे विमान के उड़ान भरने या उतरते समय ही हुए हैं। सवाल है कि विमानों में तकनीकी खराबी के मामले क्यों बढ़ रहे है? किसी भी विमान की उड़ान से पहले सुरक्षा जांच और तकनीकी रूप से हर कसौटी पर सौ फीसद दुरुस्त होना सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है।

एक छोटी-सी खामी या भूल उड़ान और उसमें सवार सभी यात्रियों के जीवन को खतरे में डाल सकती है। यह बेहद चिंताजनक है कि अहमदाबाद हादसे के अलावा, छोटी-बड़ी गड़बड़ियों की लगातार खबरें आने के बावजूद सुरक्षित उड़ान को लेकर पर्याप्त सजगता बरतने की जरूरत शायद महसूस नहीं की जा रही है।

रोचक तथ्यों का करंट

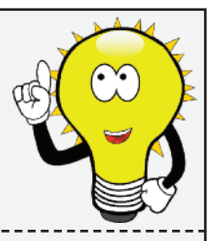

- मोलुकास के लोगों ने परंपरागत रूप से अतीत में लौंग के पेड़ों को एक नए सदस्य के साथ परिवार के विस्तार का जश्न मनाने के लिए लगाया।
- 17 वीं-18 वीं सदी में ब्रिटेन में, लौंग कम से कम उनके वजन को सोने में तोलने लायक थे, उन्हें आयात करने की उच्च कीमत थी।
- प्राचीन रोमनों ने पाक और चिकित्सा उद्देश्यों में लौंग का इस्तेमाल किया। यूरोप में मध्य युग के दौरान लौंग सबसे महत्वपूर्ण और सबसे महंगा मसालों में से एक थे।
- आज, लौंग की मुख्य रूप से वाणिज्यिक रूप से कटाई की जाती हैं : इंडोनेशिया, मेडागास्कर, तंजानिया (जांजीबार), श्रीलंका, कोमोरोस और केन्या; खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक, इंडोनेशिया सबसे अधिक लौंग पैदा करता है दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत कुल।
- मध्य युग के दौरान, यूरोप में लौंग, स्वाद और गार्निश भोजन के लिए लौंग का इस्तेमाल किया जाता था।
- इंडोनेशियाई लोकप्रिय क्रेटेक सिगरेट के निर्माण के लिए तंबाकू के साथ लौंग का मिश्रण करते हैं।

दिल्ली को 600 करोड़ का विशेष पैकेज प्रभुदास लीलाधर पर सेबी का 11 लाख फाइन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने दिल्ली की वर्तमान विकास योजनाओं, भविष्य की प्राथमिकताओं और केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग के बारे में अवगत कराया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की सहभागिता आधारित विकास नीति से राजधानी को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में परिवर्तन की गति तेज हुई है। दिल्ली को इस माह के अंत तक केंद्र से 600 करोड़ रुपये की विशेष सहायता मिलेगी। इस राशि का उपयोग दिल्ली में यातायात प्रबंधन, जल निकासी, हरित ऊर्जा व कचरा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री के सकारात्मक दृष्टिकोण और सहयोगात्मक रवैये के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार मुलाकात कर राजधानी के समग्र

विकास पर चर्चा की।

सेबी ने प्रभुदास लीलाधर पर लगाया 11 लाख जुमार्ना पूंजी बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय सेवा कंपनी प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लि. पर 11 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। सेबी ने जांच में पाया, कंपनी ने ग्राहकों के फंडों का दुरुपयोग और गलत मार्जिन रिपोर्टिंग सहित कई नियामक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। सेबी का यह आदेश एनएसई, बीएसई और एमसीएक्स एक्सचेंजों के साथ मिलकर कंपनी के व्यापक संयुक्त निरीक्षण के बाद आया।

विप्रो का फायदा 9.8% बढ़कर 3,365 करोड़ विप्रो का लाभ पहली तिमाही में 9.8 फीसदी बढ़कर 3,336.5 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले यह 3,036 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया, कुल राजस्व मामूली तेजी के साथ 22,134 करोड़ रुपये रहा। पूरे वर्ष में 16 बड़े सौदे कंपनी ने किए। विप्रो के एमडी-सीईओ श्रीनि पल्लिया ने कहा, पिछली तिमाही की गति को आगे बढ़ाते हुए हम दूसरी छमाही के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

एवरेडी ने लॉन्च की पहली हाइब्रिड टॉर्च

एवरेडी इंडस्ट्रीज ने देश की पहली हाइब्रिड टॉर्च लॉन्च की है। कंपनी ने इस ड्यूलपावर्ड डिवाइस के साथ अपने फ्लैशलाईट पोर्टफोलियो का विस्तार कर लिया है। यह इनोवेशन बैटरी पर भी चल सकता है और रीचार्ज भी किया जा सकता है। इसके चार्ज के लिए बिजली की जरूरत नहीं है। सीईओ अनिरबन बनर्जी ने कहा, यह फास्ट चार्जिंग यूएसबी टाईप सी पोर्ट से केवल 2.5 घंटे में चार्ज हो जाती है।

अदाणी ने एडब्ल्यूएल में बेचा 20 फीसदी हिस्सा

अदाणी समूह ने एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में 7,150 करोड़ में 20 फीसदी हिस्सा विल्मर अंतरराष्ट्रीय, सिंगापुर को बेच दिया है। दिसंबर में अदाणी ने घोषणा की थी कि वह कुल 44 फीसदी हिस्सा बेच देगा। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस पहले अदाणी विल्मर के नाम से जानी जाती थी। जनवरी में अदाणी एंटरप्राइजेज व अदाणी कमोडिटीज ने एडब्ल्यूएल में 13.5 प्रतिशत हिस्सा 276.51 रुपये प्रति शेयर की दर से बेची थी।

आरबीआई अगस्त में ब्याज दरों 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है

रेपो दर घटकर 5.25% पर आ जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आगामी अगस्त नीति बैठक में नीतिगत दर में 25 आधार अंकों (बीपीएस) की एक और कटौती कर सकती है, जिससे यह 5.25 प्रतिशत पर आ जाएगी। आईसीआईसीआई बैंक की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में विकास की संभावनाएं मिश्रित बनी हुई हैं। शहरी माँग कमजोर है, जबकि ग्रामीण माँग मजबूत बनी हुई है। अमेरिका को माल निर्यात में सुधार हो रहा है, लेकिन अन्य क्षेत्रों को निर्यात कमजोर बना हुआ है। इन प्रवृत्तियों और वर्तमान मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट का मानना है कि अगस्त माह ब्याज दरों में कटौती के लिए सही समय है। इसमें कहा गया है, हमारा मानना है कि इससे नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की अतिरिक्त कटौती की गुंजाइश बनती है, जिससे टर्मिनल दर 5.25 प्रतिशत हो जाती है। एमपीसी नीतिगत दर में कब कटौती करेगी? हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति की धीमी स्थिति को देखते हुए अगस्त इसके लिए उपयुक्त समय होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछली एमपीसी बैठक के बाद से मुद्रास्फीति अनुमान से काफी कम रही है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति औसतन 2.9 प्रतिशत रहेगी, जो आरबीआई के पहले के 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट नीतिगत ढील के लिए आगे भी रास्ता खोलती है, खासकर इसलिए क्योंकि एमपीसी ने वर्तमान में तटस्थ रुख बनाए रखा है, जिसका अर्थ है कि निर्णय आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया किया गया है कि आधार प्रभाव के कारण चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है।

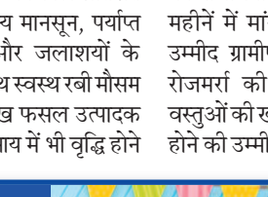

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 501 और निफ्टी 143 अंक टूटा

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501.51 अंक गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 143.05 अंक गिरकर 24,968.40 अंक पर आ गया। शुक्रवार को भारतीय बाजार में गिरावट का रुख जारी रहा। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501.51 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 143.05 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 24,968.40 पर बंद हुआ।

आईओबी का मुनाफा पहली तिमाही में 76 प्रतिशत बढ़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज के नतीजों का बाजार को इंतजार

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ जून पहली तिमाही में 76 प्रतिशत बढ़कर 1,111 करोड़ रुपये हो गया। कई कंपनियां तिमाही नतीजों की घोषणा कर चुकी हैं। आज शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने नतीजों का एलान करने वाली है। वित्त वर्ष 2026 की जून तिमाही के नतीजें जारी होना शुरू हो गए हैं। कई कंपनियां तिमाही नतीजों की घोषणा कर चुकी हैं। आज शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने नतीजों का एलान करने वाली है। आईओबी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 76 प्रतिशत बढ़कर 1,111 करोड़ रुपये हुआ सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 76 प्रतिशत बढ़कर 1,111 करोड़ रुपये हो गया। चेन्नई स्थित बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 633 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। आईओबी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि जून तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 8,866 करोड़ रुपये हो गई। यह वित्त वर्ष 25 की इसी तिमाही में 7,568 करोड़ रुपये थी। बैंक द्वारा अर्जित ब्याज बढ़कर 7,386 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में यह 6,535 करोड़ रुपये था। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 2,358 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 1,676 करोड़ रुपये था।

ग्रामीण मांग बनी उपभोग वृद्धि की रीढ़, एफएमसीजी से ऑटो तक सेक्टरों में दिखेगा असर

नई दिल्ली। पीएल कैपिट की रिपोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण मांग में सुधार से एफएमसीजी से लेकर ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख उपभोग क्षेत्रों की रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बीते कुछ तिमाहियों में ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से बेहतर प्रदर्शन किया है, और अब यह रफ्तार और तेज हो सकती है।

ग्रामीण मांग में सुधार प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल फोन, आवास और परिधान की रिकवरी में अहम भूमिका निभा सकता है। पीएल कैपिट की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोग से जुड़े इन क्षेत्रों को ग्रामीण इलाकों से धीरे-धीरे उभरती मांग से समर्थन मिलने की उम्मीद है।

अच्छे मौसम से कृषि आय में वृद्धि होने की संभावना इसमें कहा गया कि

अच्छे मानसून और कम महंगाई से ग्रामीण मांग को बनाए रखने और बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस सकारात्मक प्रवृत्ति में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक खरीफ बुवाई में सुधार है। यह 2025 की पहली तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष 11.1 प्रतिशत अधिक है। सामान्य मानसून, पर्याप्त मिट्टी की नमी और जलाशयों के मजबूत स्तर के साथ स्वस्थ रबी मौसम की उम्मीद से प्रमुख फसल उत्पादक राज्यों में ग्रामीण आय में भी वृद्धि होने की संभावना है। अगस्त के त्योहारी महीनें में मांग में अधिक वृद्धि की उम्मीद ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ने से रोजमर्रा की वस्तुओं और महंगी वस्तुओं की खपत में सीधे तौर पर वृद्धि होने की उम्मीद है।

ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से किया बेहतर प्रदर्शन

रिपोर्ट के अनुसार, बीते कुछ तिमाहियों में ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से बेहतर प्रदर्शन किया है, और अब यह रफ्तार और तेज हो सकती है। इसकी प्रमुख वजहें हैं स्थिर उपभोक्ता भावनाएं, आय में वृद्धि और अनुकूल मानसून के चलते कृषि उत्पादन में सुधार है।

ग्रामीण उपभोक्ता सूचकांक में हो रहा सुधार

इसमें कहा गया कि बेहतर कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास पर बढ़ते सरकारी खर्च के कारण ग्रामीण परिवार अधिक लचीलापन दिखा रहे हैं। ग्रामीण उपभोक्ता भावना सूचकांक (सीएसआई) जनवरी 2024 में 96.5 से मई 2025 तक 100 तक लगातार सुधर रहा है। इसी दौरान भविष्य की अपेक्षा सूचकांक (एफईआई) भी 124.3 से बढ़कर 125.9 हो गया है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

राशिफल

मेष: आज लाभकारी विकास संभव है जो आपको भविष्य में अच्छे परिणाम देगा. आप में से कुछ को अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

वृष: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। व्यापार के क्षेत्र में कुछ लोगों का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में आपसी समझ और प्यार से रिश्ते और भी बेहतर होंगे।

मिथुन: रोजमर्रा के मामलों में दिन बहुत अच्छा रह सकता है। आप अपने पेशे में पूरी तरह से सफल हो सकते हैं। अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क: आज दूसरों के साथ आपका व्यवहार आपको भाग्यशाली बना सकता है। आपको लोकप्रियता मिलेगी, व्यापार से आपकी कमाई में वृद्धि होगी।

सिंह: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। यह परियोजना आपको भविष्य में लाभान्वित करेगी।

कन्या: नौकरी में व्यर्थ के कार्यों में उलझ सकते हैं. अच्छे परिणाम के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी बदलने के मूड में हैं तो संभल जाएं।

तुला: यह आपके लिए सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आपका पारिवारिक जीवन आनंदमय और आरामदायक रहेगा।

वृश्चिक: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। थोड़ी सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान कर सकते हैं।

धनु: आप दिन भर व्यस्त रह सकते हैं। अधिकारी आपकी बातों को अहमियत देंगे। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत करने से ही सफलता मिलेगी।

मकर: आपके सहकर्मी समूह के बीच आपकी लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। पेशेवर रूप से चीजें सुचारू होंगी और आप अच्छी प्रगति करेंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी।

कुंभ: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। साथ ही आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

मीन: व्यापार में थोड़ा लाभ होगा। स्थानान्तरण की स्थिति हो सकती है या आपको ऐसी खबर भी मिल सकती है। नौकरी और व्यापार में पैसों के मामले उलझ सकते हैं।

चुटकुले

एक सत्संग के दौरान :
बाबा जी प्रवचन करते हुए जो इस जन्म में नर है वो अगले जन्म में भी नर ही होगा और जो इस जन्म में नारी है वो अगले जन्म में भी नारी होगी
ये सुनने के बाद एक बुढ़िया उठ कर जाने लगी
बाबा जी बोले : कहाँ जा रही हो ऐसे उठ कर ?
बुढ़िया : जब अगले जन्म में भी रोटियाँ ही बनानी है तो सत्संग सुन कर क्या फायदा
बाबा जी अभी तक आईसीयू में है।

पप्पू जंगल में जा रहा था तभी एक सांप ने उसके पैर पर काट लिया।
पप्पू को गुस्सा आया और टांग आगे करके बोला :- ले काट ले जितना काटना है काट ले।
सांप ने फिर तीन-चार बार काटा और थक कर बोला :- अबे तू इंसान है भूत?
पप्पू बोलै :-मैं तो इंसान ही हूं लेकिन बेटा मेरा ये पैर जिसमे तूने काटा ये नकली है।

19 07 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सिंधु तोलानी
अभिनेत्री

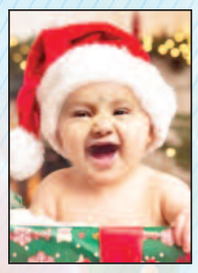

कृष्सांगी

मिलन

नैतिक भारद्वाज

वेदांत सिरोही

निधि विश्वकर्मा

तान्या त्यागी

मनोज शर्मा

आशीष शर्मा

नक्ष शर्मा

निशांत सक्सेना

नितिन पंडित

हेमंत जोशी

अनिल गुप्ता

सौरव कनौजियां

संजय शंकर

अंकित भारद्वाज

निर्भय

नीरज रावल

रनीश तोमर

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो

बिहारवासियों को बड़ी सौगात, कहा- बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मोतिहारी में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम के तहत बिहार की जनता को 7217 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात पीएम मोदी ने दे दिया है। इन योजनाओं से प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों को आपस में जोड़ने, परिवहन सुगमता और आर्थिक गतिविधियों को नई मजबूती मिलेगी।

पैदावार और खेती के मामले में कई जिले पिछड़े हैं : पीएम मोदी ने कहा कि पैदावार और खेती के मामले में कई जिले पिछड़े हैं। धन धान्य योजना के जरिए हमलोग इन पिछड़े जिलों को मदद देंगे। हमलोगों का पूरा फोकस पिछड़ों पर है। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार ने जिन विकास योजनाओं की सौगात दी है, इन सारे प्रयासों का सबसे बड़ा लाभ होगा। बिहार का विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद गरीबों, दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के नाम पर राजनीति करते आए हैं। लेकिन यह लोग अपने परिवार से बाहर किसी को सम्मान नहीं देते। आज इनका हाल

बिहार में लखपति दीदी की संख्या लगातार बढ़ रही है : मोदी

पूरा बिहार देख रहा है। हमें बिहार को इनलोगों से दूर रखना है। यह लोग कभी बिहार का विकास कर रही नहीं सकते हैं। इसलिए हमें मिलकर बिहार के विकास को और गति देनी है। हमें संकल्प लेना है कि बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। इसके बाद पीएम ने भारत माता के जयकार लगाकर अपना संबोधन खत्म किया।

पीएम मोदी ने कहा- अंतिम सांसे गिन रहा है माओवाद : पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज माओवाद अंतिम सांसे गिन रहा है। हमारा संकल्प है कि हम भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करके रहेंगे। साथियों यह नयाा भारत है। भारत दुश्मनों को सजा देने के लिए जमीन आसमान एक कर देता है। बिहार की इसी धरती से मैंने ऑपरेशन सिंदूर की घोषणा की थी। पूरी दुनिया ने भारत का सामर्थ्य देखा। अब बिहार को दुनिया भर के मार्केट से जोड़ेंगे। किसानों की आय दोगुणा करना हमारा लक्ष्य है। पीएम ने कहा कि साथियों न हम नारों तक अटकते हैं और न हम वादों तक सिमटते हैं। हम पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए अतिरिक्त काम कर रहे हैं। दशकों तक हमारे देश में पिछली सरकारों ने 110 से ज्यादा जिलों को पिछड़ा कहकर इसे छोड़ दिया था। हमने इन जिलों को आकांक्षी जिला नाम दिया और इनके लिए विकास को प्राथमिकता दी।

आज बिहार में हो रहा है विकास : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि देश में और बिहार में लखपति दीदी की संख्या लगातार बढ़ रही हैहै। अब तक डेढ़ करोड़ बहने पूरे देश में लखपति बन चुकी हैं। आज यहां 400 करोड़ रुपये का सामुदायिक निवेश फंड भी जारी किया गया है। यहां सीएम नीतीश कुमार ने जो जीविका दीदी योजना चलाई, उसकी खूब तारीफ हो रहा है। जब बिहार आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। हमारा संकल्प है कि समृद्ध बिहार और हर नौवजानों को रोजगार। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार के नौजवानों को रोजगार और नौकरी की दिशा कि बड़ी घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा कि प्राइवेट कंपनी जो पहली बार नौकरी पाएगा, उसे 15 हजार रुपया दिया जाएगा। इस योजना को अगस्त से लागू की जा रही है। इसका फायदा बिहार को भी मिलेगा। पीएम मोदी ने मुद्रा योजना के बारे में भी बात की। कहा कि इस योजना के जरिए कई लोगों को लोन मिला है।

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के युवाओं ने राजद और कांग्रेस का घमंड चूर कर दिया। उन्होंने कहा कि आज बिहार में तेजी से विकास हो रहा है। आप जानते हैं कि राजद और कांग्रेस के राज में कितने गरीबों के पास पक्के घर थे। लोग अपने घरों में रंगरोहन कराने से डरते थे। उन्हें डर था कि रंगरोहन देख कहीं मकान मालिक का अपहरण न हो जाए।

सीएम नीतीश बोले- अब सब परिवार को मुफ्त में बिजली उपलब्ध

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि लोगों को मुफ्त बिजली देने का एलान भी हमलोगों ने कर दिया था। 2005 से बिजली कहां रहती थी। पटना में भी आठ घंटे बिजली रहती थी। अब देखिए हमलोग कितना बिजली दे रहे हैं। हमलोगों ने तय कर लिया है कि अब सब परिवार को मुफ्त में बिजली उपलब्ध करवाना है। आज ही कैबिनेट मीटिंग रखे हैं। आज ही हमलोग इसमें तय करेंगे और आपलोगों के लिए इसे लागू कर देंगे।

हम लोगों ने 10 लाख नौकरी दी : नीतीश

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं पीएम मोदी का स्वागत करना हूं। आप सब जानते ही हैं कि 2005 से पहले क्या हाल था? 2005 से पहले जो सरकार थी, उसका हाल काफी बुरा हाल है। अब एनडीए पिछले 20 साल से काम कर रहे हैं। काफी विकास हुआ है। आज हमलोग कितना काम कर रहे हैं। वह लोग कितना पैसा लगाते थे विकास में? यह आप सबलोग जानते ही हैं। अब पीएम मोदी देश और बिहार के लिए कितना काम कर रहे हैं, वह आपलोगों को याद रखना चाहिए। शुरू से शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क पर सबसे ज्यादा फोकस किया गया। सात निश्चय योजना के जरिए भी कई काम हुआ। अब सात निश्चय दो के तहत युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी हमलोगों ने दे दिया है और 29 लाख लोगों को रोजगार दिया है।

भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को ईडी ने किया गिरफ्तार

भिलाई। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी ने अरेस्ट कर लिया है। उन्हें भिलाई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है।

चैतन्य बघेल की यह गिरफ्तारी ऐसे समय पर हुई है, जब आज सुबह ईडी ने भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी की। चैतन्य बघेल की यह गिरफ्तारी कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। चैतन्य का आज जन्मदिन भी है।

बताया जा रहा है कि इस मामले में नए साक्ष्य मिलने के बाद ईडी ने पीएमएलए के तहत चैतन्य को गिरफ्तार किया है। ईडी ने शुक्रवार सुबह-सुबह भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य के भिलाई घर पर छापेमारी की थी। ईडी की टीम तीन गाड़ियों में सुबह करीब 6:30 बजे मौके पर पहुंची और सीआरपीएफ के सुरक्षा घेरे में घर की तलाशी शुरू की गई।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चल रही छापेमारी

यह कार्रवाई ऐसे समय पर हुई है, जब आज छत्तीसगढ़ विधानसभा का अंतिम दिन है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज विधानसभा में रायगढ़ जिले में हो रही पेड़ कटाई का मुद्दा उठाने वाले थे।

शराब घोटाले में अब तक क्या-क्या हुआ? : 7 जुलाई को आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा ने शराब घोटाले में चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की, जिसमें घोटाले की अनुमानित राशि को 2,161 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3,200 करोड़ रुपये बताया गया। यह चार्जशीट 30 जून को दाखिल की गई थी।

इस केस में अब तक कुल पांच चार्जशीट दायर की जा चुकी हैं, जिनमें से तीन पहले दाखिल की जा चुकी थीं। इस घोटाले में 29 आबकारी अधिकारियों (जिला अधिकारी, सहायक आयुक्त, उप आयुक्त) को आरोपी बनाया गया है, जिनमें कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के बारे में क्या-क्या हुआ? : ईडी की छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि राज्य में एक संगठित शराब सिंडिकेट काम कर रहा था, जिसमें अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और कई अन्य लोग शामिल थे। इस घोटाले से करीब 2161 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि कवासी लखमा, जो तत्कालीन आबकारी मंत्री थे।

छांगुर ने सहयोगियों के साथ मिलकर जुटाई 106 करोड़ की संपत्ति, ईडी की जांच पूरी

बलरामपुर। बलरामपुर के उतरौला में बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय की जांच पूरी हो गई है। धर्मांतरण और देश विरोधी गतिविधियों के आरोपी छांगुर ने अवैध धर्मांतरण कराकर विदेशी फंड भी हासिल किया। उतरौला में उसकी करीब 106 करोड़ की संपत्तियों का पता चला है। ईडी ने जांच कर कुछ लोगों को जांच पूरे होने की पर्ची भी दी है। अब लोगों की निगाहें ईडी के अगले कदम पर टिकी हैं। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छांगुर के 14 ठिकानों पर गुरुवार को छापा मारा था। इनमें से 12 ठिकाने यूपी के बलरामपुर जिले के अतरौला जबकि दो महाराष्ट्र के मुंबई में हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया, ईडी छांगुर के खिलाफ धर्मांतरण से जुड़े संभावित धनशोधन व विदेशी फंडिंग के पहलुओं की जांच कर रही है। इसी कड़ी में सबूत जुटाने के लिए सुबह पांच बजे छापे मारे गए। इस दौरान कई दस्तावेज व डिजिटल उपकरण कब्जे में लेकर

जांच की गई। ईडी ने 9 जुलाई को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छांगुर पर मुकदमा (ईसीआईआर) दर्ज किया था। जांच में छांगुर से जुड़े 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये होने का पता चला। इसमें ज्यादातर राशि पश्चिम एशिया के देशों से मिली है। अधिकारियों ने बताया कि जांच का उद्देश्य छांगुर से जुड़े व्यक्तियों व संगठनों की ओर से प्राप्त विदेशी चंदे के स्रोत और उसके अंतिम उपयोग का पता लगाना है। संदेह है कि इन पैसों का इस्तेमाल धर्मांतरण में किया गया। ईडी ने मुंबई में शहजाद शेख उर्फ इलियास शेख के माहिम और ब्रांदा इलाके में स्थित ठिकानों को भी खंगाला है, जिसके खाते में एक करोड़ रुपये छांगुर ने भेजे थे। वहीं लखनऊ के चिनहट इलाके में छांगुर के मददगार सीजीएम बलरामपुर कार्यालय के बाबू राजेश उपाध्याय के आवास को भी खंगाला गया।

तेज प्रताप यादव नई पार्टी का कर सकते हैं ऐलान!

हसनपुर में नए झंडे के साथ आए थे नजर, तब से अटकलें तेज

पटना। बिहार की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आने की संभावना है। राष्ट्रीय जनता दल से 6 साल के लिए निष्कासित किए गए तेज प्रताप यादव आज अपनी नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने आज शाम 5 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। बीते कुछ दिनों में उनके तेवर लगातार बागी रहे हैं और अब उनके इस कदम से प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है।

सूत्रों की मानें तो आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज प्रताप अपनी पार्टी का नाम, ध्येय वाक्य और प्राथमिक मुद्दों का खुलासा कर सकते हैं। सभी की निगाहें अब शाम 5 बजे की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर टिकी हैं, जहां तेज प्रताप यादव अपने राजनीतिक भविष्य की नई राह का ऐलान कर सकते हैं।

तेज प्रताप यादव, जो कि

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे हैं, हाल ही में अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित किए गए थे। इस फैसले के बाद तेज प्रताप ने सोशल मीडिया और बयानों के जरिए पार्टी नेतृत्व पर खुलकर निशाना साधा और कहा कि उन्हें चुप कराने की कोशिश की जा रही है लेकिन वे पीछे नहीं हटेंगे। तेज प्रताप ने ऐलान किया था कि वे इस बार चुनाव जरूर लड़ेंगे। उन्होंने कहा था, 'मुझे पार्टी से निकाला गया है, लेकिन जनता के दिल से नहीं। मैं जनता की अदालत में जाऊंगा।'

तेज प्रताप यादव हाल ही में अपने विधानसभा क्षेत्र हसनपुर के दौरे पर गए थे। इस दौरान वे जिस झंडे के साथ नजर आए, वह पारंपरिक आरजेडी के हरे-सफेद झंडे से बिल्कुल अलग था। झंडे में नए प्रतीक और अलग रंग दिखे, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई कि तेज प्रताप किसी नई राजनीतिक दिशा की ओर बढ़ सकते हैं। माना जा रहा है कि वही झंडा आज उनकी संभावित नई पार्टी का प्रतीक बन सकता है।

महुआ सीट से चुनाव लड़ने की अटकलें तेज : अनुष्का यादव के साथ फोटो पोस्ट करने के बाद हुए विवाद से भी पहले इस बात की चर्चा थी कि तेज प्रताप महुआ सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं।

कांवड़ियों को 'उपद्रवी' कहना आस्था का अपमान : योगी

'कुछ लोग फेक अकाउंट से जातीय संघर्ष भड़काने की कोशिश करते हैं'

लखनऊ। सावन के पावन महीने में जब पूरा उत्तर भारत भोलेनाथ की भक्ति में लीन होता है, तब कांवड़ यात्रा भी श्रद्धा, संयम और अनुशासन का प्रतीक बन जाती है। इसी संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों को 'आतंकवादी' और 'उपद्रवी' कहना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सनातन आस्था का खुला अपमान है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि कुछ असामाजिक तत्व और कुछ खास समुदाय के लोग जानबूझकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। ह्लकांवड़ यात्रा किसी भी

प्रकार के उपद्रव या असामाजिक गतिविधि का मंच नहीं, बल्कि यह भगवान शिव के प्रति आस्था और भक्ति की अभिव्यक्ति है। कुछ लोग उन्हें 'आतंकवादी' या 'उपद्रवी' कहकर हमारी सांस्कृतिक विरासत और सनातन धर्म की परंपराओं का अपमान कर रहे हैं। ये मानसिकता शर्मनाक है,ह्व सीएम योगी ने कहा।

बिरसा मुंडा की विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी स्थित वसंत महिला महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। संगोष्ठी का विषय था - ₹बिरसा मुंडा की विरासतः आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उत्प्रेरक विषयह्व।

दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 18 और 19 जुलाई को : महाविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन में देशभर के शिक्षाविद, शोधार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। इस संगोष्ठी में 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

'मेरे बहनोई को परेशान कर रही सरकार', राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को परेशान करने का आरोप लगाया। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में रॉबर्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल ने सरकार पर निशाना साधा है।

'अंत में सच्चाई की जीत होगी'

राहुल ने कहा कि अंत में सच्चाई की जीत होगी।

NAME CHANGED

I,Pankaj Kumar Singh R/O 46,S-4, Nyay Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad have changed My name to Pankaj Kumar for future purposes.

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नौएडा सिटी, जनपद-गौतमबुद्धनगर-201308 (उ0प्र.)
फोन नं0: 0120-2395152, वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/तह0/1546/2025 दिनांक: 15.07.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है:-

ग्राम आकलपुर, सैक्टर- 05 व 09 के अन्तर्गत

क्रम सं0	काश्तकार का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	खसरे का क्षेत्रफल (हे0 में)	काश्तकार का हिस्सा	हिस्सानुसार क्षेत्रफल (हे0 में)
1.	त्रिभुवन सिंह पुत्र श्री तेज सिंह नि० ग्राम आकलपुर।	197	121/3	0.2090	1/4	0.0523
2.	कश्मीरी उर्फ कश्मीरी देवी पत्नी तेज सिंह नि० ग्राम आकलपुर।	197	121/3	0.2090	1/4	0.0522
3.	शीशपाल सिंह उर्फ शिशपाल सिंह पुत्र तेजपाल सिंह नि० ग्राम आकलपुर	197	121/3	0.2090	1/4	0.0523
4.	लेखराज सिंह उर्फ लेखराज पुत्र तेज सिंह नि० ग्राम आकलपुर	197	121/3	0.2090	1/4	0.0522
5.	गिर्राज सिंह उर्फ गिर्राज पुत्र ब्रहमजीत उर्फ ब्रहंजीत नि० ग्राम आकलपुर	32	121/4	0.2090	1/4	0.0522
6.	सतपाल सिंह उर्फ सत्यपाल सिंह पुत्र ब्रहमजीत उर्फ ब्रहमजीत सिंह नि० ग्राम आकलपुर	32	121/4	0.2090	1/4	0.0523
7.	विनोद कुमार पुत्र ब्रहमजीत उर्फ ब्रहमजीत सिंह नि० ग्राम आकलपुर	32	121/4	0.2090	1/4	0.0522
8.	संजीव कुमार पुत्र ब्रहमजीत उर्फ ब्रहमजीत सिंह नि० ग्राम आकलपुर	32	121/4	0.2090	1/4	0.0523
9.	शीशराम पुत्र मक्खन लाल नि० ग्राम आकलपुर	224	240 244क	0.2530 0.0690	में से	0.0316 0.0087
10.	शीशराम पुत्र मक्खन लाल नि० ग्राम आकलपुर	147	307	2.3520	में से	0.2940
11.	सत्यवती पत्नी रतन सिंह नि० ग्राम आकलपुर	25	248	1.1230	में से	0.0280
	ग्राम मकसूदपुर, सैक्टर-11 के अन्तर्गत					
12.	नीरज सिंह पुत्र महावीर सिंह नि० म०न० 218बीए मानसरोवर खुर्जा रोड बुलन्दशहर।	61	75	2.0920	में से	0.2222
13.	ग्रीस पुत्र जग्गन नि० ग्राम मकसूदपुर	40	3म	1.0880	में से	0.2530
14.	सुधीर पुत्र जग्गन नि० ग्राम मकसूदपुर	40	3म	1.0880	में से	0.2594
	ग्राम रन्हेरा, सैक्टर-08 के अन्तर्गत					
15.	राकेश कुमार कौशिक पुत्र जगदीश चन्द्र कौशिक नि० ग्राम रन्हेरा	422	1064 1075	0.3760 0.6770	में से	0.0752 0.1354
16.	लेखराज शर्मा पुत्र लीलाधर नि० रन्हेरा	422	1064	0.3760	में से	0.0752
17.	इन्द्रपाल पुत्र लीलाधर नि० रन्हेरा	422	1064 1075	0.3760 0.6770	में से	0.0752 0.1354

प्रस्तावित भूमि प्राधिकरण के नियोजित सैक्टर- 05, 09, 08 व 11 के अन्तर्गत होने के कारण क्रय हेतु प्रस्तावित है। उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अंदर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय / सी०आर०सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

महत्वपूर्ण सूचना: यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीद-फ़रोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन पर उमड़ा जनसैलाब... राजनीति के एक युग का अंत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। राजपाल त्यागी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार की सुबह उनका निधन हो गया। राजपाल त्यागी के निधन के साथ ही राजनीति के एक युग का भी अंत हुआ। राजपाल त्यागी ना केवल गाजियाबाद बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे। वो तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे। राजपाल त्यागी के निधन की खबर फैलते ही हजारों की संख्या में उनके समर्थक उनके लोहियानगर स्थित आवास पर पहुंच गए। राजनीति के पुरोधा को अंतिम विदाई देने के लिये मानो जनसैलाब उमड़ पड़ा। राजपाल त्यागी गाजियाबाद की राजनीति के इतिहास के पन्नों में एक सशक्त, मजबूत नाम हैं।

जल्द तीनों जोन में होंगे एसीपी ट्रैफिक

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वैसे तो बहुत सारे अधिकारी हैं पर कुछ अधिकारियों की वर्किंग व व्यक्तित्व अलग ही देखने में आता है। तो पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में एक बात और कही जाती है कि कब कौन सा परिवर्तन हो जाए और कब कौन सा बड़ा फैसला ले लिया जाए, कहा नहीं जा सकता है। इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के बेहद विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि आने वाले दिनों में एक एसीपी की टेंशन थोड़ी सी कम होगी तो कईयों की बढ़ेगी। तो जो नया आदेश आने वाला है उससे अधिकारियों का तीनों जोन में अटेंशन बढ़ेगी। पुलिस के सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन में अलग-अलग एसीपी ट्रैफिक तैनात होंगे। वह ट्रैफिक मैनेजमेंट से लेकर तमाम तरीके की समस्याएं, अतिक्रमण वाले अभियान और नो पार्किंग जोन से लेकर सड़क किनारे लगने वाले अतिक्रमण खत्म करने वाले अभियान को प्रभावी बनाने का काम करेंगे। पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम

में तीनों जोन के अंतर्गत प्रत्येक जोन में ट्रैफिक वाले एसीपी हों, इसको लेकर आदेश और फाइल पर हस्ताक्षर और सहमति वाला सीन बन गया बताया जा रहा है। वहीं इन दिनों एक चर्चा जोरों पर चल रही बताई जा रही है कि ट्रैफिक वाले साहब और उनके अधीनस्थ इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कांवड़ यात्रा को लेकर कड़ी मेहनत करने में जुटे हुए हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि वैसे भी आजकल एक कार्यालय में उनके साहब और निचले वालों में खींचतान चल रही है। तो इसी बीच यह जानकारी निकलकर आ रही है कि जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में प्रत्येक जोन में ट्रैफिक को लेकर नए एसीपी होंगे। अब देखा जाएगा की अतिरिक्त एसीपी पोस्ट किए जाते हैं या पहले से ही जोन में तैनात एसीपी को ही अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाएगी। वहीं अब उन ट्रैफिक के निरीक्षकों का भी हाल और चाल देखना होगा जो इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपना पूरा नेटवर्क जमाए हुए हैं। कुल मिलाकर सूत्र बता रहे हैं कि साहब से लेकर नंबर दो वाले साहब तक यह पूरा प्लान बन चुका है। जल्द ही इसको जोन में लागू कर दिया जाएगा।

नकली ब्रेक शू बनाने वाले गोदाम पर छापा, संचालक गिरफ्तार

लोनी (करंट क्राइम)। नकली कंपनी के ब्रेक शू बनाने वाली सेवाधाम महामाया कुंज कॉलोनी स्थित गोदाम पर कंपनी कर्मी और पुलिस ने छापा मारा। टीम को मौके से भारी मात्रा में ब्रेक शू मिले हैं। कंपनी कर्मी की शिकायत पर पुलिस ने संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि दिल्ली संत नगर के बुराड़ी निवासी रविंद्र सिंह ने बताया कि वह एएसके ऑटोमोटिव लिमिटेड कंपनी करोल बाग के अधिकृत एजेंट है। कंपनी ने उन्हें नकली ब्रेकशू बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत कर रखा है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले लोनी बार्डर थानाक्षेत्र स्थित सेवा धाम मंदिर के पास कंपनी के नाम से नकली ब्रेक शू बनाए जाने और उन्हें कम दामों पर बेचे जाने की सूचना मिल रही थी।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद की राजनीति के पुरोधा पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी का निधन हो गया। बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष वेतन क्रिकेट के अध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने फ्लाइट के दौरान इस समाचार को जाना। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपनी पोस्ट के जरिए दुख व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। रविंद्र त्यागी ने अपने शब्दों के जरिए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी ने किया विकास कार्य का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शुक्रवार को वार्ड 61 वसुन्धरा सेक्टर 2बी अर्थला फाटक रोड पर साइड पटरी पर टाइल के कार्य का पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी ने नारियल तोड़कर कर उद्घाटन किया। पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी ने कहा कि वह लोगों के सहयोग एवं उनकी डिमांड के हिसाब से वार्ड में विकास कार्य करवाने के लिए लगातार काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम केवल यही चाहते हैं कि उनके वार्ड के लोगों को किसी तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि वार्ड में विकास कार्य लगातार हो रहे हैं, लेकिन विकास कार्यो की झड़ी लगाने का प्रयास भी किया जा रहा है। ताकि उनके वार्ड को विकास के मामले में एक नई व अलग पहचान मिल सके। इस अवसर पर सीता वर्मा, सुदेश गिरधर, शीला शर्मा, रितु श्रीवास्तव, रवीन्द्र शर्मा, आर पी दीक्षित, पंडित संजय भारद्वाज, रवीन्द्र प्रधान, दीपेश जैन, दिव्यांक त्यागी, कुशल गोयल आदि लोग मौजूद रहे।

जेपी ग्रीन्स में व्यापारी के घर चोरी का खुलासा

निकाले गए ड्राइवर और उसके भाई ने की थी वारदात, 35 लाख का माल बरामद

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा की जेपी ग्रीन्स सोसाइटी में व्यापारी पवन गोयल के घर हुई चोरी का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी व्यापारी का पूर्व ड्राइवर है। एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार के अनुसार, पवन गोयल ने 10-11 जून की रात हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। चोरों ने शीशा तोड़कर घर में प्रवेश किया था। उन्होंने पिस्टल, नकदी और जेवरात चुराए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय जानकारी के आधार पर लडपुरा गांव के रहने वाले जितेंद्र और योगेंद्र को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि जितेंद्र पहले व्यापारी का ड्राइवर था। नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने घर की जानकारी का फायदा उठाते हुए चोरी की योजना बनाई। उसके भाई योगेंद्र ने चोरी के माल को ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों से इटली निर्मित लाइसेंसी पिस्टल, 11 सोने के सिक्के, 2 लाख रुपये नकद और बड़ी मात्रा में जेवरात बरामद किए। चोरी का कुल माल लगभग 35 लाख रुपये का है।

नगर निगम ने किया छह दिवसीय कांवड़ शिविर का शुभारंभ

महापौर, डीएम तथा नगर आयुक्त ने पूजा-अर्चना कर कांवड़ियों को दिया फलाहार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 6 दिवसीय कांवड़ शिविर का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा किया गया जिसमें साईं सेवा ट्रस्ट की टीम व्यवस्था में लगी हुई है। महापौर जिलाधिकारी तथा नगर आयुक्त द्वारा पूजा-अर्चना कर कांवड़ शिविर का शुभारंभ किया गया तथा उपस्थित कांवड़ यात्रियों से उनका हाल-चाल जानने के बाद उनको फलहार भी कराया गया तथा प्रसाद वितरित किया गया।

महिला कांवड़ यात्रियों के लिए विश्राम व अन्य व्यवस्थाओं को किया गया अलग : महापौर - महापौर सुनीता दयाल द्वारा सभी कांवड़ यात्रियों को शुभकामनाएं दी गई तथा आयोजकों को भी विशेष रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखने के लिए निर्देश दिए गए। महापौर द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कांवड़ शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो की प्रशंसनीय है। महिला कांवड़ यात्रियों के लिए शौचालय की व्यवस्था यहां तक की विश्राम की व्यवस्था के लिए भी अलग स्थान बनाया गया है।

पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त होगा गाजियाबाद नगर निगम का कांवड़ शिविर : नगर आयुक्त-नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा सभी कांवड़ शिविर आयोजकों से प्लास्टिक मुक्त कांवड़ शिविर लगाने के लिए अपील की गई तथा साई उपवन में आयोजित कांवड़ शिविर को पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए भी टीम को निर्देश दिए गए। सभी व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया गया। नगर आयुक्त ने कहा पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त होगा गाजियाबाद नगर निगम का कांवड़ शिविर।

सेवा भक्ति के साथ जिम्मेदारी निभा रहे हैं निगम अधिकारी : डीएम

करंट क्राइम। जिलाधिकारी दीपक मीणा गाजियाबाद नगर निगम की टीम को मोटिवेट करते हुए कांवड़ शिविर के आयोजन पर बधाई दी गई तथा पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कांवड़ियों का हाल-चाल भी जाना गाजियाबाद नगर निगम सेवा भक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी निभा रहा है जो की प्रशंसनीय है। उपस्थित निगम अधिकारियों को मोटिवेट किया गया उत्साहवर्धन किया गया। डीएम ने कहा सेवा भक्ति के साथ जिम्मेदारी निभा रहे हैं निगम अधिकारी

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर का जमीअत को पत्र

'उदयपुर फाइल्स' याचिका वापस लेने और लव-जिहाद पर फतवा जारी करने की मांग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोनी के बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने जमीअत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी को पत्र लिखकर कन्हैया लाल के हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स के खिलाफ दायर याचिका को तुरंत वापस लेने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने थूक जिहाद, लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे मुद्दों की कड़ी निंदा करने और इस पर फतवा जारी करने की अपील की। विधायक ने पत्र में कट्टरपंथी तत्वों और गजवा-ए-हिंद जैसे राष्ट्रविरोधी एजेंडों के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा होने की मांग की है।

मौलाना मदनी की चुप्पी पर उठाए सवाल : नंदकिशोर गुर्जर ने पत्र में कहा कि कन्हैया लाल का हत्याकांड, पहचान छिपाकर किए जा रहे धर्मांतरण और देशविरोधी गतिविधियों पर जमीअत उलेमा-ए-हिंद की चुप्पी बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल किया कि जब मुस्लिम समुदाय और इस्लाम की छवि को नुकसान पहुंच रहा है, तो जिम्मेदार धार्मिक संगठन मौन क्यों हैं? विधायक ने जोर देकर कहा कि जमीअत को इन मुद्दों पर स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए।

उदयपुर फाइल्स में विवाद : फिल्म उदयपुर फाइल्स, जो 2022 में राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित है, के संदर्भ में जमीअत उलेमा-ए-हिंद (अरशद मदनी गुट) ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि फिल्म का ट्रेलर सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकता है। इस पर विधायक गुर्जर ने आपत्ति जताई और कहा कि जमीअत को समाज में सौहार्द बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

कट्टरपंथ के खिलाफ कार्रवाई की मांग : पत्र में विधायक ने जमीअत से अपील की कि वह कट्टरपंथी तत्वों और गजवा-ए-हिंद जैसे देशविरोधी विचारों के खिलाफ खुलकर सामने आए। उन्होंने कहा कि थूक जिहाद, लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे मामलों की निंदा के लिए फतवा जारी करना आज की आवश्यकता है। गुर्जर ने कहा कि जमीअत जैसे प्रभावशाली संगठन की जिम्मेदारी है कि वह समाज में शांति और एकता को बढ़ावा दे।

गाजियाबाद पुलिस ने अवैध शराब तस्करी का कर दिया पर्दाफाश

एक आरोपी गिरफ्तार, 44 लाख की शराब की हुई बरामदगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। क्राइम ब्रांच, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने एक अवैध शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 600 पेटी विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत 44 लाख रुपये है। यह शराब चंडीगढ़ से लाई गई थी और इसे एनसीआर क्षेत्र में मांग के अनुसार सप्लाई किया जाना था। यह शराब केवल चंडीगढ़ में बिक्री के लिए अधिकृत थी। इस मामले का खुलासा एडिशनल डीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने किया है, जिसमें क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अब्दुर रहमान सिद्दीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूछताछ के दौरान आरोपी अनूप सिंह ने बताया कि वह छठी कक्षा तक पढ़ा है और ट्रक चालक का काम करता है। पिछले 20 वर्षों से वह ट्रक चलाने का काम करता रहा है। 2021 में उसकी मुलाकात राममेहर नाम के व्यक्ति से हुई, जो बिहार में शराब पर प्रतिबंध के कारण अवैध शराब का तस्करी करता था। अनूप सिंह ने उस काम में भाग लेकर बिहार तक शराब पहुंचाना शुरू किया, जिससे उसे प्रति चक्कर 50,000 रुपये मिलते थे।

मार्च 2023 में, अनूप सिंह को बिहार के सहरसा जिले में अवैध शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 8-9 महीनों की जेल के बाद, वह पुनः भोला (हरियाणा) और रामनिवास (राजस्थान) से संपर्क में आया और फिर से अवैध शराब की तस्करी शुरू कर दी। वह विजयपाल (रोहतक) के साथ मिलकर बंद बॉडी कैंटर किराए पर लेकर शराब का तस्करी करता था। बिहार में शराब पर प्रतिबंध के कारण अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है, जिससे तस्कर अपने घर के खर्चे और शौक पूरे कर रहे हैं। उनके नेटवर्क के माध्यम से कई राज्यों में अवैध शराब आपूर्ति होती है।

गाजियाबाद पुलिस ने 12 मार्च को मुरादनगर से 500 पेटी शराब के साथ अनूप सिंह को पकड़ लिया था। जांच के बाद यह सामने आया कि यह गिरोह काफी बड़ा है और कई राज्यों में सक्रिय है।

हरिद्वार से गंगाजल लेकर चले कांवड़ियों का कारवां गाजियाबाद में बिखेर रहा केसरिया छटा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर चले कांवड़ियों का कारवां शहर में केसरिया छटा बिखेर रहा है। मेरठ-दिल्ली रोड से लेकर शहर के आम रास्ते शिवमय हो गए हैं। जगह-जगह शिविर लगे हैं, जिनमें डीजे की धुन पर भोला-भोली भगवान शिव के भजनों पर थिरक रहे हैं। हाईवे पर धीरे-धीरे शिवभक्तों की भीड़ बढ़ रही है। हाईवे केसरियां रंग में रंगना शुरू हो गया है। मन्नत पूरी होने पर ही इस बार अधिकांश भक्त भगवान शिव की आराधना में मशगूल होकर कांवड़ ला रहे हैं। इस बार शिवभक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी, इसलिए प्रशासन ने भी इस बार कांवड़ यात्रा की तैयारियां पूरी कर रखी हैं। हाईवे जहां सीसीटीवी कैमरों से लैस है। वहीं, ड्रोन और अस्थाई चौकी से शिवभक्तों की सुरक्षा की जा रही है। सावन के महीने में 'बोल बम-बम' का उद्घोष करते हुए शिवभक्त

मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। रिमझिम बारिश में उनकी मंजिल आसान हो रही है। बाबा की भक्ति में शिवभक्त इस कदर सरोवर हैं कि वे थकान भी महसूस नहीं कर रहे हैं। दिल्ली के रहने वाले राकेश सिंह ने बताया कि इस बार उनके परिवार में सब कुछ ठीक ठाक रहा और भगवान भोलेनाथ की कृपा से सब अच्छा हुआ। जिसके बाद वह कांवड़ लेने के लिए गए। दिल्ली नांगलोई के अमित का कहना है कि उनकी बेटी की नौकरी लग गई है, इसके लिए उन्होंने मन्नत मांगी थी कि वह हरिद्वार से कांवड़ लेकर आएगी। भगवान शिव ने उनकी मनोकामना को पूर्ण की और वह कांवड़ लेकर आई। उनकी मंजिल बेहद आसान हो गई है। हर बार कांवड़ियों की राह रही और यहां से गुजरने की भी अच्छी खासी तैयारी प्रशासन द्वारा की गई है, इसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया है।

विकसित भारत पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम : एडवोकेट श्यामवीर चौधरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी ओबीसी मोर्चा भाजपा एवं पूर्व में प्रत्याशी गाजियाबाद एडवोकेट श्यामवीर चौधरी ने कहा कि विकसित भारत पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की वैश्विक मंच पर नई पहचान बनी है। देश अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास और सब के विश्वास पर खरी उतरी है। सरकार ने सभी वर्गों का बखूबी ध्यान रखा है। नई शिक्षा नीति के साथ कौशल विकास और स्टार्टअप पर फोकस से हमारे युवा विकसित भारत की संकल्प के अहम भागीदार बने हैं। यह हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि आज देश का युवा राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है यह सब मोदी जी के कुशल नेतृत्व और कार्य करता हूं कि मेहनत से सफल हो सका है।

कांग्रेस जो 70 सालों में नहीं कर पाई वह भाजपा ने 11 साल में किया : एडवोकेट मनोज भाटी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर कार्यकारिणी सदस्य भाजपा एडवोकेट मनोज भाटी ने कहा कि जो काम कांग्रेस ने अपने 70 साल के शासन में नहीं किया वह भाजपा सरकार ने 11 साल में कर दिखाए। भाजपा सरकार ने देश के 12 करोड़ लोगों को शौचालय उपलब्ध कराए हैं। किसानों को हर वर्ष 6000 सम्मान निधि दी जा रही है। भाजपा सरकार को लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था मिली थी लेकिन पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व से देश में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। कांग्रेस सरकार में 4 करोड़ लोगों के ही खाते थे लेकिन भाजपा सरकार में अब 55 करोड़ लोगों के खाता खुल चुके हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण का कार्य सालों से अटका पड़ा था लेकिन भाजपा सरकार अपने शासन में राम मंदिर का निर्माण करवाया। महाकाल कॉरिडोर का निर्माण बनारस में कॉरिडोर का निर्माण और विंध्याचल में कॉरिडोर का निर्माण भाजपा सरकार में हुआ है।

पीएम मोदी के नेतृत्व से बदली है भारत की दिशा और दशा : संजीव त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व पार्षद संजीव त्यागी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व से भारत की दिशा और दशा दोनों बदले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आर्थिक-सामाजिक और तकनीकी विकास की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया है। देश में उच्च शिक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की सुविधा विकसित हो रही है। भाजपा के शासनकाल में उच्च आय मजबूत सामाजिक सांस्कृतिक तकनीकी और संस्थागत विकास आधुनिक ज्ञान और नवाचार में अग्रणी समृद्ध विरासत का संरक्षण उच्च जीवन स्तर और वैश्विक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। बेरोजगारी दूर कर हर व्यक्ति के लिए रोजगार के अवसर प्रदान किया जा रहे हैं। देश की जीडीपी बढ़ रही है। सड़कों परिवहन जल और बिजली आपूर्ति और डिजिटल कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका और प्रभाव में वृद्धि हो रही है।

जीडीए ने अवैध निर्माण पर की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जीडीए उपाध्यक्ष के अवैध निर्माणों/अवैध कालोनियों पर रोकथाम के लिए कार्रवाई किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-5 के नेतृत्व में मनोज कुमार पुत्र करन सिंह द्वारा ग्राम महरौली एन0एच0-24 गाजियाबाद में लगभग 25.00 वर्ग मी0 क्षेत्रफल में अवैध रूप से निर्मित निर्माण/दुकान को ध्वस्तीकरण आदेश के क्रम में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सम्पादित की गयी। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के समय निर्माणकर्ता द्वारा स्थल पर भारी विरोध किया गया, जिसे प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हें नियन्त्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी गयी। उक्त

कार्रवाई के समय प्रवर्तन प्रभारी जोन-5, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, समस्त सुपरवाईजर स्टॉफ, प्राधिकरण सुरक्षाकर्मी एवं सम्बन्धित थाना वेव सिटी गाजियाबाद का पुलिस बल उपस्थित रहा।

गाजियाबाद में कांवड़ियों की सुरक्षा हेतु एकीकृत नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शुक्रवार को जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) दीपक मीणा ने गाजियाबाद में एक इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सिटी जोन धवल जायसवाल, सिविल डिफेंस के प्रमुख ललित जायसवाल और सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सलोनी मिश्रा भी उपस्थित थे।

डीएम दीपक मीणा ने जानकारी दी कि इस कंट्रोल सेंटर के माध्यम से गाजियाबाद के अलग-अलग क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा की चौकसी की जा रही है। शहर के प्रमुख स्थलों जैसे गोविंदपुरम, राजनगर, जी.टी. मेरठ रोड, इंदिरापुरम, मोहन नगर और दूधेश्वर नाथ मंदिर के आसपास सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। यह कंट्रोल सेंटर अत्याधुनिक तकनीक से संपन्न है, जो पुलिस और प्रशासन को वास्तविक समय में स्थिति का मूल्यांकन करने और तात्कालिक कार्रवाई करने में सक्षम बनाता है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि गाजियाबाद में लगभग 1600 आधुनिक कैमरों के जरिए कांवड़ियों पर नजर रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, मुरादनगर नहर क्षेत्र में एसडीआरएफ, पीएसी और जल पुलिस की पांच कंपनियां भी तैनात की गई हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्थाएँ और मजबूत बन सकें।

गाजियाबाद में पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे घायल होकर गिरफ्तार, 4 लाख रुपये की नकदी बरामद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कौशाम्बी थाना पुलिस ने इंदिरापुरम क्षेत्र में हुई लूट की घटना में शामिल दो शातिर लुटेरों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, 4 लाख रुपये नगद और लूट में प्रयुक्त काली रंग की बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल बरामद हुई है। कौशाम्बी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत, एक पुलिस टीम ने वैशाली क्षेत्र में रूटीन चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक काली स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया और यूपी गेट की ओर जाते समय उन्हें घेर लिया।

रास्ते की खस्ता हालात के कारण बाइक फिसल गई और बदमाश गिर पड़े। खुद को घिरा देख उन्होंने पुलिस पर हमला करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाशों को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने 8 अन्य साथियों के साथ मिलकर 14 जुलाई 2025 को इंदिरापुरम क्षेत्र में लूट की योजना बनाई थी। गिरफ्तार बदमाश अपने हिस्से के 2-2 लाख रुपये लेकर भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

दिल्ली ओलंपिक में बच्चों ने किया गाजियाबाद का नाम रोशन

बीएल इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जीते पदक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली गेम 2025 जो कि दिल्ली ओलंपिक संघ व दिल्ली सरकार द्वारा कराए गए। जिसका उद्घाटन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। जिसमें बीएल इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा पदक जीते। सौम्या ने स्वर्ण पदक जीता और वियान सैन ने रजत, निष्ठा ने कांस्य पदक जीता।

लगभग सभी खेलों में 12,000 प्रतियोगियों ने भाग लिया। हमारे स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सवाते (फ्रेंच बॉक्सिंग) में भाग लिया। पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने अपने निवास स्थान पर बच्चों को बुलाकर सम्मानित तथा वातालाप की। तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। वहां पर मुकेश बंसल डिप्टी चेयरमैन नगर निगम शाहदरा नॉर्थ जोन, प्रशिक्षक राजेश मल्होत्रा, स्कूल मैनेजर जितेंद्र सैन, प्रधान अध्यापिका लक्ष्मी देवी मौजूद रहे।

गुमशुदा

नाम तरुण कुमार पुत्र किरन पाल, ये बच्चा 11/7/25 से लापता है। अगर किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई सूचना मिले तो नीचे लिखे मोबाइल नम्बर पर संपर्क करें।
8882104280

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी के जन्मदिन पर शुभचिंतकों ने दी उन्हें शुभकामनाएं और बधाई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी का जन्मदिन उनके राजनगर स्थित आवास पर मनाया गया। सेवा परोपकार के संदेश के साथ पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने अपने जन्मदिन पर सबसे पहले पूजन अर्चन किया और फिर एक भंडारे का आयोजन किया। उनके जन्मदिन पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक शुभचिंतक पहुंचे और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं और बधाई दी। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी पूर्व विधायक हेमलता चौधरी और अच्छा हल के डायरेक्टर विवेक भाटी ने जन्मदिन पर आए सभी शुभचिंतकों मित्रों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

गारफील्ड सोबर्स की सूची में शामिल होने के करीब जडेजा, चौथे टेस्ट में हासिल कर सकते हैं उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा सर गारफील्ड सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने के करीब हैं और 58 रन बनाते हैं वह ये उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और अब तक लगातार चार अर्धशतक जड़ चुके हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जडेजा अकेले डटे हुए थे और उन्होंने नाबाद 61 रनों की पारी खेली थी।

58 रन बनाते ही सोबर्स की कर लेंगे बराबरी

जडेजा की शानदार पारी भी भारत को जीत नहीं दिला सकी थी और टीम 22 रन से ये मुकाबला हार गई थी जिससे भारत सीरीज में 1-2 से पीछे हो गया। जडेजा अब सोबर्स की एक विशेष उपलब्धि पर पहुंचने के करीब हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर सोबर्स एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने इंग्लैंड में छठे या इससे निचले स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 1000 रन बनाए हैं। सोबर्स ने इस दौरान 16 पारियों में 84.38 के औसत से 1097 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। दूसरे स्थान पर जडेजा हैं जिन्होंने अब तक 27 पारियों में 40.95 के औसत से 942 टेस्ट रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वह इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे करने और सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने से 58 रन दूर हैं।

इंग्लैंड में लगातार चार पचासा लगाने वाले तीसरे भारतीय

इससे पहले, जडेजा तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार अर्धशतक लगाए हैं। उनसे पहले सौरव गांगुली और ऋषभ पंत ऐसा कर चुके हैं। मौजूदा सीरीज में जडेजा तीन मैचों में 109 के औसत से 327 रन बना चुके हैं जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। जडेजा निचले क्रम में अपनी बखूबी निभा रहे हैं। जडेजा का योगदान भारत के लिए महत्वपूर्ण रहा है। जडेजा अब 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में भी इस लय को बरकरार रखने उतरेंगे।

'सरकार 2036 ओलंपिक की कर रही तैयारियां'

अमित शाह ने बताया किस तरह एथलीटों को दी जा रही सहायता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि सरकार 2036 ओलंपिक की तैयारियों में जुटी हुई है जिसके तहत हर महीने करीब 3000 एथलीटों को प्रति माह 50000 रुपये की मदद दी जा रही है। 21वें विश्व पुलिस और फायर गेम्स 2025 में भाग लेने वाले भारतीय दल को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जीत और हार जीवन का शाश्वत चक्र है और जीत के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, जीत की योजना बनाना हर किसी का स्वभाव और जीतना आदत होनी चाहिए।

'जीत की आदल डालने वाले लोग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं'

उन्होंने कहा कि जो लोग जीतने की आदत डाल लेते हैं, वे हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। शाह ने कहा कि हर खेल में अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों का चयन और प्रशिक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेलों को काफी महत्व दिया गया है। खेल बजट में पांच गुना वृद्धि की गई है। सरकार 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भी तैयारी कर रही है और लगभग 3000 खिलाड़ियों को 50,000 रुपये प्रति माह की सहायता प्रदान कर रही है और इसके लिए एक विस्तृत व्यवस्थित योजना बना रही है।

शाह ने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी की दिनचर्या ऐसी होनी चाहिए कि दिन की शुरूआत सुबह अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ परेड से हो और शाम को खेलकूद के साथ समाप्त हो। उन्होंने कहा, 'यदि सभी पुलिस कर्मी नियमित रूप से खेलकूद की आदत डाल लें, तो इससे न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।' गृह मंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस बलों को कम से कम तीन पदक जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए।

शाह को भरोसा, 2036 ओलंपिक में भारत करेगा शानदार प्रदर्शन

शाह ने कहा कि जिस तरह अर्जुन को केवल अपना लक्ष्य दिखाई देता था, पक्षी की आंख, उसी तरह, खेल से जुड़े सभी पुलिस अधिकारियों और एथलीटों को विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 2029 को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2029 में ये खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और केवड़िया में आयोजित किए जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे भारत वैश्विक खेल मंच पर आगे बढ़ रहा है, देश के एथलीटों को ऐसा प्रदर्शन करना चाहिए जिससे भारत में खेलों की अपार संभावनाओं के बारे में दुनिया भर में चर्चा हो। शाह ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत 2036 ओलंपिक में सर्वाधिक पदक जीतने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल होगा।

सीईटी-एचटेट परीक्षा...फिर टला खेल महाकुंभ, दूसरी बार प्रतियोगिता स्थगित 5,525 खिलाड़ियों को इंतजार

नई दिल्ली। जुलाई में होने वाला खेल महाकुंभ दूसरी बार टल गया है। खेल महाकुंभ 28 से 30 जुलाई को होना था। मगर इस दौरान 26 व 27 जुलाई को ग्रुप सी का सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) व 30 और 31 जुलाई को हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) के कारण खेल प्रतियोगिता को टालना पड़ा है। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा- अब खेल महाकुंभ का आयोजन अगस्त के महीने में किया जाएगा। नई तिथि को जल्द घोषित कर दिया जाएगा।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा- खेल प्रतियोगिता और परीक्षा की वजह से अभ्यर्थियों और खिलाड़ियों को कोई असुविधा न हो, इसलिए अधिकारियों को खेल महाकुंभ की तिथि बदलने के निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले 11 जुलाई को खेल महाकुंभ होना था, मगर उस दौरान भी किसी कारण वश इसे टाल दिया गया था। हालांकि इससे खिलाड़ियों को थोड़ी निराशा जरूर होगी, क्योंकि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ी काफी दिन से तैयारी कर रहे थे। जिले भर में ट्रायल लिए जा रहे थे।

खेल महाकुंभ में राज्य स्तर पर सभी 22 जिलों के अलावा राई स्पोर्ट्स स्कूल सोनीपत के खिलाड़ी भी हिस्सा लेते हैं। प्रदेश स्तर पर लगभग 5,525 खिलाड़ियों के बीच मुकाबले होते हैं। इनमें 26 खेल प्रतियोगिता होती हैं, जिनमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, बास्केटबॉल, साइकलिंग, कयाकिंग एवं कैनोइंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, खो खो, कबड्डी, रोइंग, टेनिस, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, वालीबॉल, ताइक्वांडो शामिल है।

70 प्लस किलोग्राम वर्ग में मुक्केबाज मयंक बना विजेता

हरियाणा। मेजबान चौक निकट स्थित रुपाणा बॉक्सिंग क्लब परिसर में लड़कों व लड़कियों की जिलास्तरीय सब जूनियर बॉक्सिंग स्पर्धा आयोजित की गई। बॉक्सिंग एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित स्पर्धा में 50 से अधिक मुक्केबाजों ने सहभागिता निभाई।

क्लब संचालक रघुवीर नंबरदार प्रमुख रूप से शामिल हुए और कोच कैलाश गिल की देखरेख में मैच करवाए गए। बतौर मुख्य अतिथि प्रदीप गामड़ी व कुलदीप साहू ने शिरकत की। बॉक्सिंग एसोसिएशन जिला अध्यक्ष राजकुमार सांगवान ने बताया कि 70 प्लस किलोग्राम वर्ग में मयंक विजेता बना। 33 से 35 किलोग्राम भार वर्ग में सौरव ने बाजी मारी।

उन्होंने बताया कि 58 से 61 किलोग्राम वर्ग में जतिन विजेता बना। 40 से 43 किलोग्राम वर्ग में मीराज चहल व रूपेश विजेता बने। 37 से 40 किलोग्राम वर्ग में दीपांशु, मंजीत व दुष्यंत अव्वल रहे। 35 से 37 किलोग्राम वर्ग में गौरव ने बाजी मारी। 30 से 33 किलोग्राम वर्ग में कार्तिक विजेता बना। 46 से 49 किलोग्राम वर्ग में सोनक ने बाजी मारी। इस दौरान अवतार मैनेजर, मेनपाल सांगवान, पार्षद अजय सांगवान, डंपी पहलवान, विरेंद्र ग्रेवाल, दलबीर दलाल होनहारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लड़कियों के वर्ग में ये बनीं विजेता

इसी प्रकार, लड़कियों के मुकाबले खेले गए जिनमें अपने-अपने वर्ग में मुस्कान, दिव्या मलिक, वंशिक, पलक, साक्षी, प्रियंका, रिया, तनवी विजेता बनी। इन सभी का आगामी दिनों में होने वाली राज्यस्तरीय स्पर्धा के लिए चयन हो गया है।

'विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें पंत'

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर ऋषभ पंत विकेटकीपिंग नहीं कर पाएं तो उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेलना चाहिए। पंत तीसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे और अंगुली में चोट के कारण उन्होंने उस मैच में विकेटकीपिंग नहीं थी। पंत लॉर्ड्स टेस्ट में पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेलने उतरे थे।

मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी।

शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है जो उन्हें चुभती है, तो यह बहुत अच्छा नहीं होगा। इससे चोट और बिगड़ जाएगी।

अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला टीम, शनिवार को लॉर्ड्स में होगी इंग्लैंड से टक्कर

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इस मैच में जीत के साथ हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। इससे पहले भारतीय टीम ने मेजबानों को शुरूआती मुकाबले में चार विकेट से हराया था।

अरुंधति रेड्डी ने किया प्रभावित

इंग्लैंड के खिलाफ जारी यह सीरीज महिला वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए अच्छा सिरदर्द है। टीम में कुछ ऐसे स्थान हैं जिनमें टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम ने पहले मैच में थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी और इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने दो विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा।

शेफाली बन सकती हैं हरलीन के लिए मुसीबत

प्रतिका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शेफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदार बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शेफाली निकट भविष्य में अंतिम एकादश में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसके बल्लेबाजी विभाग में हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं। स्पिन विभाग भी काफी मजबूत है जिसमें अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं।

भारत की नजर अजेय बढ़त पर

पहले वनडे में नाबाद अर्धशतक जमा कर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति ने अपनी इस पारी के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाया था। शनिवार को होने वाले मैच में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले इंग्लैंड को टी20 सीरीज में हराया था और अब वनडे सीरीज जीतने से उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मनोबल और बढ़ेगा। जहां तक इंग्लैंड की टीम का सवाल है तो उसको जीत हासिल करने के लिए खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

एरिगेसी सेमीफाइनल में पहुंचे, भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद खिताबी दौड़ से बाहर हुए

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसातोरोव को हराकर फ्रीस्टाइल ग्रैंडस्लैम शतरंज टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं, भारत के आर प्रज्ञानंद अमेरिका के फैबियानो कारुआना के खिलाफ हारकर खिताबी दौड़ से बाहर हो गए हैं। एरिगेसी ने अब्दुसातोरोव को 1.5-0.5 से हराया, जबकि प्रज्ञानंद को कारुआना के खिलाफ 3-4 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रज्ञानंद ने तीन बार बनाई बढ़त

प्रज्ञानंद और कारूआना के बीच कुल सात निर्णायक बाजियां खेली गईं। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने तीन बार बढ़त बनाई। प्रज्ञानंद ने पहली बाजी जीती लेकिन दूसरी बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। छठी बाजी तक यह सिलसिला बना रहा। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने सातवीं बाजी जीत कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। प्रज्ञानंद इस हार से सात अन्य खिलाड़ियों के साथ निचले ब्रैकेट में खिसक गए हैं।

अमेरिका के लेवोन एरोनियन और हैंस मोक निएमैन क्वार्टर फाइनल चरण में जीतने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। इन्होंने क्रमशः हिकारू नाकामुरा और जोवोखिर सिंदारोव को हराया। एरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निएमैन को सिंदारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला एरोनियन से जबकि निएमैन का कारूआना से होगा।

कार्लसन ने जीत की लय हासिल की

निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को, जबकि लीनियर डोमिनगेज पेरेज ने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया। पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया।

आईसीसी की बड़ी कार्रवाई, प्रतिका रावल और इंग्लैंड महिला टीम पर लगाया जुमार्ना

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल और इंग्लैंड की महिला टीम पर जुमार्ना लगा दिया। आईसीसी ने यह कार्रवाई भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच बुधवार (16 जुलाई) को खेले गए मुकाबले में हुई गलतियों के कारण की। बता दें कि, भारत ने यह मुकाबला चार विकेट से जीता था। दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला शनिवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दाएं हाथ की भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डीमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईसीसी ने यह कार्रवाई लेवल एक के उल्लंघन के लिए की है। दरअसल, 18वें ओवर में रावल की इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फिलर से टक्कर हो गई थी। इसके अलावा वह आउट होने के बाद सोफी एक्लेस्टोन से उलझ गईं थीं। आईसीसी ने दोनों घटनाओं को खेल भावना का उल्लंघन माना। प्रतिका ने आरोप स्वीकार कर लिए जिसकी वजह से किसी आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

इसके अलावा इंग्लैंड की महिला टीम पर भी आईसीसी ने जुमार्ना ठोका है। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस टीम पर पहले मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण जुमार्ना लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, किसी भी टीम पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर पूरा न कर पाने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुमार्ना लगाया जाता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर सामूहिक रूप से पांच प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है।

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में हराया

टी20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने पहले मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम ने 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 258 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 48.2 ओवर में छह विकेट पर 262 रन बनाकर मैच जीत लिया। दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

डूरंड कप: पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और 24 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली। एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

तीन ट्रॉफी का अनावरण

इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ थे आईएएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे।

डूरंड कप 2025 के मैच देश के 5 राज्यों में आयोजित होंगे

बंगाल की राजधानी कोलकाता के युवभारती और किशोर भारती स्टेडियम, कोकराझार (असम) मणिपुर (इंफाल), मेघालय (शिलांग) और झारखंड के जमशेदपुर में मैच खेले जाएंगे। कोलकाता में होंगे 15 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और 23 अगस्त को फाइनल मैच खेला जाएगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और समापन में रहेंगी मौजूद : अरूप

इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके।

खर्च हो रहे हैं 15 करोड़: सिन्हा

इस मौके पर आईएएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

24 टीमें, छह समूह में बंटी हैं : मोघे

खेल के बारे में जानकारी देते हुए मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे ने कहा, प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में होगी। 24 टीमें, छह समूहों में बंटी हैं, और देश के पांच राज्यों में खेलेंगी। कोलकाता दो ग्रुप के 15 मैच, एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल की मेजबानी करेगा।